आषाढ़ शुक्ल पक्ष तृतीया संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक-361 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
28 जून 2025 शनिवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

भारत धर्मनिरपेक्ष नहीं, *धर्म सापेक्ष देश*, नीतियां अब समाजवाद से मीलों दूर

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

भाजपा ने 25 जून को आपातकाल की पचासवीं सालगिरह को संविधान की हत्या विरोधी दिवस कहा। लेकिन मेरी निजी राज 29 जून 1975 की वह काली रात संविधान की हत्या नहीं बल्कि संविधान हरण की रात थी। इंदिरा गांधी ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए इसे लगाया जिससे किसी को नाइत्तेफाकी नहीं हो सकती। लेकिन राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ के ऊंचे ओहदेदार (राष्ट्रीय महासचिव) दत्तात्रेय होसबोले और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस मौके पर एक नई बहस छेड़ दिया है। उन्होंने भारतीय संविधान में आपातकाल के दौरान जोड़े गए दो शब्दों सेक्युलर तथा समाजवाद को संविधान से हटाने की मांग कर दी है। उधर आधे अधूरे अध्ययन के आधार पर कांग्रेस के 55 वर्षीय वरिष्ठ नेता (अब उन्हें युवा तुर्क नहीं कह सकते) ने तुरंत बयान जड़ दिया कि राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ देश को मनु स्मृति के आधार पर चलाना चाहता है।

जहां आपातकाल के दौरान इतिहास के आइने में देखें तो भारतीय संसद ने संविधान में 42 वे संशोधन के तहत 18 दिसंबर 1976 को जारी करते हुए देश के संविधान में सेक्युरलिस्म (धर्मनिरपेक्ष) और समाजवाद जैसे शब्द जोड़ दिए। जबकि ये दोनों शब्द संविधान की उस प्रस्तावना का हिस्सा नहीं थे, जिसे संविधान की ड्राफ्ट समिति के चेयरमेन डा. भीमराव आम्बेडकर यानि बाबा साहब ने तैयार किया था। कहने की जरूरत नहीं कि इंदिरा गांधी ने यह सब उन वामपंथी विचारकों के कहने पर जोड़ा। उस वामपंथी सोच को जो महात्मा गांधी की शहादत के बाद जिन्होंने पंडित जवाहर लाल नेहरू के कार्यकाल में तेजी से देश पर लादा। इन्हीं वामपंथियों ने सर्वहारा कांग्रेस को मुस्लिम तुष्टीकरण की राह पर आगे बढ़ाया। राजीव गांधी ने भी शाहबानों नामक मुस्लिम महिला को गुजारा भत्ता देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को संविधान में संशोधन करके पलटा। राहुल गांधी के दौर में कांग्रेसी विचारधारा पर वामपंथी जकड़न इस तरह बढ़ गई जैसे कोई अजगर सांप अपने शिकार को लपेटे में लेने के बाद उसे दम तोड़ देने पर विवश कर देता है। इसने कांग्रेस की मूल विचारधारा का दम घोंट दिया।

वैसे तो 1977 में कांग्रेस की हार के बाद हुए विभाजन और ब्रह्मानंद रेड्डी की अगुवाई में बगावत करने वाले कांग्रेसियों का दमन करने आईएनसी यानि इंदिरा कांग्रेस का उदभव हुआ। 1996 में हालांकि इंदिरा कांग्रेस का नाम बदलकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कर दिया गया। लेकिन राहुल काल में कांग्रेस दो फाड़ होने के हालात में है। एक राहुल गांधी की अगुआई में परदे के पीछे से वामपंथियों व्दारा चलाई जाने वाली वाली कांग्रेस और दूसरी वह कांग्रेस जिसमें वामपंथ, दक्षिणपंथ और मध्यमार्गी सोच के नेता हैं।

धर्मनिरपेक्ष क्या और धर्म सापेक्ष क्या- धर्म निरपेक्ष की भले ही कितनी व्याख्याएं गढ़ी गईं लेकिन भारत कभी धर्म निरपेक्ष राष्ट्र नहीं रहा। इसके विपरीत सदियों के इतिहास के पुराने पन्नों को (तब न कांग्रेस थी और न भाजपा या समाजवाद) उलटा जाए तो भारत सदा से एक धर्म सापेक्ष देश रहा है। यानि सभी धर्मों का सम्मान है। सभी को पूजा इबादत या प्रार्थना या अरदास करने की छूट है। गौतम बुद्ध से लेकर महावीर जैन को जानने वालों तक सभी को अपनी आस्था के परकटीकरण की खुली इजाजत है। जाहिर है कि भारत धर्म निरपेक्ष नहीं धर्म सापेक्ष देश है। आखिर सर्वधर्म समभाव और वसुधैव कुटुम्बकम यानि सारी दुनिया एक वाली अवधारणा वाले देश में ऐसे 'टर्म' कैसे गढ़े जा सकते हैं?

1991 में जब तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने आर्थिक उदारीकरण और अर्थ व्यवस्था के वैश्वीकरण के रैपर में लपेटकर पूंजीवाद और साम्राज्यवाद का हरी झंडी दी उसी दिन समाजवाद का खात्मा होने की शुरुआत हो गई थी। अब भाजपा और कांग्रेस की लड़ाई इस बात को लेकर है कि देश में देशी बहुराष्ट्रीय कंपनी पनपें या विदेशी। इसी के चलते राहुल बाबा अडाणी अंबानी को कोसते रहते हैं।

समाजवाद को पलीता लगाने का काम बिहार में लालू यादव ने माय (मुस्लिम-यादव) का समीकरण छेडक़र खत्म कर डाला। नीतीश कुमार भी समाजवाद की जड़ों में मठ्ठा डालने में पीछे नहीं रहे। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में स्व. मुलायम सिंह यादव ने भी समाजवाद के नुाम पर इसी फार्मूले का अनुसरण किया। और अब तो उनके बेटे के सिर पर समाजवाद के नाम पर फकत लाल टोपी रह गई है। बाकी तो वह भी मुस्लिम-यादव की राजनीति आगे बढ़ाकर लोहिया के समाजवाद का पूरी तरह खात्मा कर डाला। साथ यह सवाल है भी कि उन वामपंथियों के चक्कर में कांग्रेस या राहुल गांधी को क्या हासिल हुआ, जिस वामपंथ को भारत से लगभग नकारा जा चुका है और पूरी दुनिया में इस विचार से निजात पाने की हवा चल पड़ी है। राहुल यह भी सोचें कि बहुसंख्यकों को कांग्रेस से भाजपा के पाले में लाने के लिए वह खुद या गांधी- नेहरू परिवार कितना जिम्मेदार हैं? यह बात मैं अपने पाठकों पर छोड़ता हूं। मेरा संपर्क सूत्र है- 7000926381.

समाजवाद तब क्या और अब क्या ?

समाजवाद शब्द की अवधारणा तो उन्नीसवी सदी के साम्यवाद से उपजी। समाजवाद तो 1955 में डा. राम मनोहर लोहिया जैसे चिंतक, प्रखर विचारक की देन है जिसे समता पार्टी के गठन के साथ गढ़ा गया और बाद में इसके अनुयायी समाजवादी कहलाए। देश के पबले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू भी उनके विचारों का सम्मान करते थे। देश को कल्याणकारी राष्ट्र की बुनियाद पर चलाया जाने लगा। हालांकि अब यह विद्रूप रूप धाण कर चुका है। वोटों के लिए जनता की गाढ़ी कमाई को लुटाओ और वोट बटोरो। इसमें कोई भी दल पीछे नहीं है। कांग्रेस की तब हिंदु महासभा और जनसंघ जैसी पार्टियों से मतभेद थे। लेकिन उसे नकारा नहीं। लोहिया के समाजवाद का प्रमुख मकसद था देश से जातिवाद हटे। साम्रज्यवाद को कोई जगह नहीं हो। लोहिया जीवन पर्यंत इसी रास्ते पर चले और उन्होंने इसे काफी हद तक बढ़ाया। लेकिन उनके जाने के बाद स्व. शरद यादव और जार्ज फर्नांडीज को आखिरी लोहियावादी या समाजवादी कहा सकता है। या अभी रघु ठाकुर जैसे इक्के दुक्के नेता बचे हैं।

मेडिकल रिपोर्ट में रेप की पुष्टि

कोलकाता रेप कांड, पुलिस ने सभी को जिम्मेदार माना

कोलकाता, एजेंसी

लॉ कालेज में गैंगरेप की पीड़ित छात्रा की मेडिकल रिपोर्ट में रेप की पुष्टि हो गई है। मेडिकल जांच कलकत्ता नेशनल मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में की गई थी। पुलिस अधिकारी के मुताबिक पीड़ित के साथ जबरदस्ती करने, शरीर पर काटने और नाखून से खरोंचने के निशान मिले हैं, मारपीट की भी पुष्टि हुई है। केस के तीनों आरोपियों को कोर्ट ने कल ही पुलिस कस्टडी में भेज दिया था।

उधर टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने घटना को लेकर विवादित बयान दिया है और कहा - अगर कोई दोस्त अपने दोस्त के साथ बलात्कार

करता है तो क्या किया जा सकता है। ज्ञात हो कि यह घटना 25 जून को हुई थी, वारदात कॉलेज के ग्राउंड फ्लोर के गार्ड रूम में हुई। आरोपियों में मनोजीत मिश्रा (31), जैब अहमद (19) और प्रमित मुखर्जी (20) शामिल हैं। मनोजीत मुख्य आरोपी है और कॉलेज का पूर्व छात्र है। जबकि जैब और प्रमित कॉलेज के छात्र हैं।

आज दो मोर्चों पर गहमागहमी, कांग्रेस-भाजपा एक-दूसरे पर हमलावर

अंबेडकर धाम का निरीक्षण करने पहुंचे सीएम मुंगावली कांड के *नए मोड* की भोपाल में गूंज

भोपाल दोपहर मेट्रो

मप्र में आज दो मोर्चे पर गहमागहमी है। मुख्यमंत्री आज ग्वालियर के टेकनपुर(डबरा) के समीप जौरासी में निर्माणाधीन अम्बेडकर धाम स्थल का निरीक्षण करने पहुंचे हैं। वहीं भोपाल में कांग्रेस सरकार पर हमलावर होने की नयी तैयारी कर रही है। इसकी वजह प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पर कल दर्ज की गई एफआईआर बताई जा रही है। इसकी वजह मुंगावली का कथि मानवमल खिलाने का प्रकरण है, भाजपा इसे पटवारी की अपराधिक साजिश बता रही है।

अशोकनगर के मुंगावली थाने में केस दर्ज होने के बाद भोपाल में सियासी हलचल है। कांग्रेस सरकार पर हमलावर होने की तैयारी में है। खुद पटवारी ने आज कहा है कि उन्हें लगता है कि वे अच्छा काम कर रहे हैं और सरकार एफआईआर करके उन्हें मानो कोई मैडल दे रही है। दरअसल, आरोप है कि पटवारी ने एक व्यक्ति गजराज लोधी को उकसाकर झूठा बयान दिलवाया कि उसे मानव मल खिलाया गया है। हालांकि पटवारी ने कहा कि - मुझसे पहले पीड़ित व्यक्ति कलेक्टर व मीडिया के पास गया। मेरे पास आया तो मैंने बात सुनी तथा कलेक्टर को मौके से कॉल किया व पीड़ित से पूछकर वीडियो अपलोड किया। पटवारी ने कहा कि विपक्ष का काम है सरकार की गलतियों को उजागर करना। लेकिन सरकार उल्टे एक्शन ले रही है। जबकि सरकार को सकारत्मक रूप से लेकर कार्रवाई जांच करना चाहिये। मुझ पर एफआईआर करने के लिये धन्यवाद व साधुवाद, लगता है मुझे मैडल मिला कि मैं अच्छा काम कर रहा हूं। उधर भाजपा मीडिया चीफ आशीष अग्रवाल ने कहा है कि पटवारी द्वारा गढ़ा प्रकरण पूर्वनियोजित आपराधिक साजिश है, जिसका उद्देश्य केवल अपनी राजनीति चमकाना, जनता को भ्रमित करना है।

उल्लेखनीय है कि अशोकनगर जिले की मुंगावली की इस कथित घटना के वीडियो में गजराज और उसके भाई रघुराज लोधी ने कहा कि उनके साथ मारपीट की गई और मानव मल खिलाया गया। बाद में गजराज ने कलेक्टर के सामने शपथपत्र देकर बयान से पलटते हुए कहा कि केवल मारपीट हुई थी, मानवमल खिलाने की बात झूठी है। गजराज ने दावा किया कि 25 जून को कुछ कांग्रेस नेता उसे और उसके भाई को पटवारी से मिलवाने ओरछा ले गए वहां पटवारी ने समझाया कि उन्हें मीडिया के सामने यह कहना है कि उन्हें मानव मल खिलाया गया। इधर मप्र कांग्रेस ने कहा है कि पटवारी पर एफआईआर न केवल राजनीति से प्रेरित है, बल्कि सत्ता के दुरुपयोग का जीवंत प्रमाण है। अमानवीय व्यवहार की बात सार्वजनिक रूप से कहने के बाद, अब उस पर दबाव डालकर बयान बदलवाया गया है।

स्मारक स्थल पर खर्च होंगे 8 करोड

जानकारी के मुताबिक ग्वालियर के समीप जौरासी में 8 करोड़ की धनराशि से अंबेडकर स्मारक बनाया जा रहा है। इसमें डिजिटल लाइब्रेरी, म्यूजियम, ऑडिटोरियम आदि का निर्माण होना है। केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया इसका करीब दो वर्ष पूर्व शिलान्यास किया था। स्मारक में डॉ.अम्बेडकर के जीवन के विभिन्न पहलुओं को दर्शाया जाएगा तथा 200 सीट वाले ऑडिटोरियम का निर्माण भी इस भवन में किया जाएगा यहां एक बाबा साहब की विशाल मूर्ति भी स्थापित की जायेगी। यहां से मुख्यमंत्री पृथ्वीपुर पहुंचेंगे तथा देवी अहिल्या नारी शक्ति सम्मेलन में विभिन्न कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन करेंगे यहां से भिंड के मेहगांव में किसान एवं रोजगार सम्मेलन में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग के पोर्टल का प्रस्तुतिकरण करेंगे।

मृत हालत में अस्पताल लेकर पहुंचे थे पति

कांटा लगा गर्ल शेफाली की मौत संदिग्ध पति से पूछताछ शुरू

मुंबई, एजेंसी

हिंदी के रीमेक सांग 'कांटा लगा' से मशहूर हुई एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला का 42 साल की उम्र में देर रात निधन हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 27 जून की रात उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया, जिससे उनकी मौत हो गई। इस मामले में मुंबई पुलिस ने अपनी जांच शुरू कर दी है। शेफाली के घर पर फॉरेंसिक टीम पहुंच चुकी है और सबूत जुटाए जा रहे हैं। वहीं, अंबोली पुलिस स्टेशन में घर की मेड और कुक से पूछताछ की गई है। परिजन के भी बयान लिए जा रहे हैं।

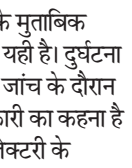

जानकार सूत्रों के अनुसार, शेफाली को बेहोशी की हालत में उनके पति और एक्टर पराग त्यागी, के साथ तीन अन्य लोग शुक्रवार रात मुंबई के अंधेरी स्थित बेलेव्यू अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल के रिसेप्शन स्टाफ ने पुष्टि की है कि शेफाली जरीवाला को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया था। उनके शव का अब पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

मेट्रो एंकर जांच में ट्रेजेक्टरी से निकला निष्कर्ष, पायलट ने आखिरी तक दिखाई सूझबूझ

3 सेकंड पहले या बाद गिरता बोइंग तो 1200 मौतें होतीं !

अहमदाबाद, एजेंसी

बीती 12 जून को एयर इंडिया विमान हादसे में जान गंवाने वालों की संख्या हजारों में हो सकती थी लेकिन विमान उड़ा रहे कैप्टन सुमित सभरवाल (56) की सूझबूझ की वजह से कई जानें बच गईं। सूत्रों के अनुसार, कैप्टन सुमीत को जब ये अहसास हो गया कि वे विमान क्रैश होने से नहीं रोक सकेंगे तो उन्होंने जानबूझकर विमान को ऐसी जगह गिराया जहां नुकसान कम से कम हो। वरना कम से कम 1200 जान और जा सकती थीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुरूआती जांच का निष्कर्ष यही है। दुर्घटना के बाद हादसे की जगह की जांच के दौरान मौजूद एक विमानन अधिकारी का कहना है कि गिरते हुए विमान की ट्रैजेक्टरी के

अनुसार यह सीधा 1200 बेड वाले सिविल हॉस्पिटल पर क्रैश होने जा रहा था। शुरुआती जांच से पता चलता है कि पायलट ने इसे कुछ सेकंड पहले ही डाउन कर दिया। इससे, यह मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल की छत से फिसलते हुए पेड़ों के बीच गिरा।यह इलाका कम आबादी वाला था, लेकिन इसके चारों ओर घनी बस्ती और तीन बड़े अस्पताल हैं। विमान 3 सेकंड पहले या बाद में गिरता, तो तबाही बहुत बड़ी होती। क्रैश साइट के दाईं ओर मिलिट्री हॉस्पिटल है। आगे सिविल अस्पताल और थोड़ी दूरी पर गुजरात कैंसर सोसाइटी मेडिकल कॉलेज भी है।

उल्लेखनीय है कि उस दोपहर अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट द्ब 171 टेकऑफ के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें 241 यात्री और क्रू मेंबर शामिल थे। एक यात्री इस हादसे में जिंदा बचा है। अहमदाबाद प्लेन हादसे में जान गंवाने वाले एअर इंडिया विमान के कैप्टन सुमित सभरवाल का 17 जून को मुंबई में अंतिम संस्कार किया गया था। सभरवाल के पास 8200 घंटे की उड़ान का अनुभव था।

जांच में शामिल होगा संयुक्त राष्ट्र, मिली परमिशन

एअर इंडिया के ड्रीमलाइनर प्लेन हादसे की जांच में अब संयुक्त राष्ट्र शामिल होगा। संयुक्त राष्ट्र की विमानन संस्था इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन के एक विशेषज्ञ को ऑब्जर्वर के तौर पर शामिल होने की इजाजत भारत सरकार ने दे दी है। हालांकि कल इससे इंकार किया गया था। बताया जाता है कि आर्गनाइजेशन ने जांच में शामिल होने की इजाजत मांगी थी। भारत ने पारदर्शिता के साथ जांच करने के इरादे से संयुक्त राष्ट्र को इसमें शामिल करने का फैसला लिया है।

ईरान में भी असमंजस

अमेरिका का दावा- खामनेई को भयानक मौत से बचाया

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के उस दावे को झूठा करार दिया है, जिसमें उन्होंने इजराइल के खिलाफ जंग में जीत की ऐलान किया था। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर कहा, मैंने खामेनेई को एक भयानक और अपमानजनक मौत से बचाया। मुझे यह भी उम्मीद नहीं है कि वे मुझे शुक्रिया कहेंगे। ट्रंप ने दावा किया कि वह खामेनेई के ठिकाने से वाकिफ थे, लेकिन उन्होंने इजराइल और अमेरिकी सेना को उनकी हत्या से रोका, जिससे उनकी जान बच गई।

कहां है खोमनेई

उधर खामनेई को लेकर कई सवाल भी हैं। वे हाल में टीवी पर दिखे हैं लेकिन आवाज दबी और धीमी थी, गले में खराश और भाषण से वो जोश गायब थे जिसके लिए खामेनेई जाने जाते हैं। 86 साल के अली खामेनेई 12 दिनों की चुप्पी के बाद जब जीत का दावा करने टीवी पर आए थे। इजरायली हमले के खतरों को देखते हुए वे अभी भी छिपे हुए हो सकते हैं।

वर्ल्ड ब्युटिशियन डे पर धमाल

वर्ल्ड ब्युटिशियन डे रंगारंग प्रोग्राम के साथ मनाया गया। इसमें भोपाल और आसपास शहरों की ब्यूटीशिपन्स ने हिस्सा लिया। सभी ने पुराने गीतों पर खूब डांस किया।

फोटो : निर्मल व्यास

राजधानी में इस्कॉन की जगन्नाथ यात्रा निकली

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी में आज इस्कॉन मंदिर द्वारा आज भगवान श्रीजगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा माता की भव्य रथयात्रा निकाल रहा है। यह इस्कॉन भोपाल की तेरहवीं वार्षिक रथयात्रा होगी। यात्रा शाम 4 बजे भोपाल टॉकीज से शुरू होकर हमीदिया रोड, भारत टॉकीज, रोशनपुरा, रंगमहल और न्यू मार्केट होते हुए माता मंदिर स्थित प्लेटिनम प्लाजा पर समापन को पहुंचेगी। रथयात्रा का शुभारंभ भोपाल की महापौर मालती राय आरती कर करेंगी। समापन स्थल पर मध्यप्रदेश शासन की मंत्री कृष्णा गौर आरती में शामिल होंगी। बताते हैं कि इस बार रथ पूरी उड़ीसा के नंदीघोष रथ की तर्ज पर बनाया गया है। 27 फीट ऊंचा, 24 फीट लंबा और 17 फीट चौड़ा यह रथ लोहे के मजबूत फाउंडेशन पर खड़ा है, जबकि ढांचा सागौन की लकड़ी से निर्मित है। 2 टन लोहे और 50 घन फीट लकड़ी से बने इस रथ में छह फीट ऊंचे लकड़ी के विशाल पहिए लगाए गए हैं। इसकी ऊंचाई को हाइड्रोलिक लीवर से समायोजित किया जा सकता है। रथ की छत को सुंदर वास्तुशिल्पीय नक्काशी और रंगीन वस्त्रों से सजाया गया है। यह रथ पूरी तरह से हाइड्रोलिक है, जिसे आवश्यकता अनुसार ऊपर या नीचे किया जा सके।

इस वर्ष रथयात्रा में इस्कॉन के जोनल सेक्रेटरी महामन दास प्रभुजी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। उनके साथ रूस से वितांक दास और द्विजमणि दास जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध भक्त भी भोपाल आएंगे।

देश-विदेश से हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी की संभावना जताई जा रही है। रथ पर विराजमान भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा माता की झलक पाने के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। यात्रा मार्ग में भक्तजन 'हरे कृष्ण' महामंत्र के संकीर्तन के साथ रथ को रस्सियों से खींचेंगे। रास्ते भर शंख, मृदंग, करताल की ध्वनि और पारंपरिक झांकियां वातावरण को भक्तिमय बनाएंगी। रथ के साथ 151 विशेष भोग अर्पित किए जाएंगे और विभिन्न स्थानों पर आरती की जाएगी।

बर्न वार्ड व माइक्रो-बायोलॉजी लैब की हालत सुधरेगी

सरकार ने जरूरी निर्माण और मरम्मत के लिये पैसा दिया

साढ़े 3 करोड़ में होगा गांधी मेडिकल कॉलेज का इलाज

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी का गांधी मेडिकल कॉलेज अब नयी शक्ल ले सकता है। दरअसल इसकी मरम्मत कार्य के लिए 3.6 करोड़ रुपए की सरकार ने मंजूर कर दी है। इस बजट से बर्न वार्ड, माइको बायोलॉजी लैब, वायरोलॉजी लैब और हॉस्टल्स में रखरखाव के कार्य किए जाएंगे। कालेज की पुरानी बिल्डिंग के ज्यादातर भवनों में छत टपकने, गेट-खिड़की जाम होने, खराब फॉल्स सीलिंग जैसे स्थिति लंबे समय से बनी हुई है। जिसको लेकर छात्रों से लेकर विभाग के प्रोफेसर्स द्वारा कई पत्र लिखे गए, जिसके बाद विभाग से यह मंजूरी मिली है। हालांकि, बारिश से पहले होने वाले कार्य अब इस सीजन के बाद होने की संभावना है। इस बार भी तेज बारिश के समय सभी संबंधित विभागों और हॉस्टल में समस्या का सामना करना पड़ सकता है। छात्रों ने कहा कि बारिश में सीमेंट के कार्य होना संभव नहीं है। लेकिन, राहत इस बात की है कि अगली बार यह समस्या नहीं होगी।

बर्न वार्ड की सुधरेगी हालत

कमला नेहरू अस्पताल के बर्न वार्ड में फॉल्स सीलिंग, पेंटिंग और इंटीरियर सुधार के कार्य होंगे। लंबे समय से मरीजों और स्टाफ को असुविधा हो रही थी। बताया जाता है कि इस कालेज में कई मूलभूत इंतजामों को फिर से व्यवस्थित करने की कोशिशें काफी समय से हो रही हैं। गौरतरब है कि गांधी मेडिकल कालेज के साथ ही परिसर में मौजूद हमीदिया अस्पताल में भी कई तरह के निर्माण चल रहे हैं और नयी इमारतें भी बनाई जा रही हैं।

10 कार्य होंगे

संचालनालय लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा द्वारा 10 प्रमुख कार्यों को प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है, जिनमें छात्रावासों, स्टेट वायरोलॉजी लैब, माइको बायोलॉजी लैब और कमला नेहरू चिकित्सालय का बर्न वार्ड शामिल हैं। कॉलेज के ए से एच ब्लॉक तक के बॉयज और गर्ल्स हॉस्टल में वाटरप्रूफिंग, पुताई-पुट्टी, दरवाजों और खिड़कियों की मरम्मत होगी।स्टेट वायरोलॉजी लैब में प्लिंथ प्रोटेक्शन, चिलर मशीन के लिए शेड, सीमेंट कन्क्रीट वर्क और सीपेज पाइपलाइन की मरम्मत जैसे कार्य होंगे। वहीं, माइको बायोलॉजी लैब में नया पार्टीशन, सिंक के साथ ग्रेनाइट प्लेटफॉर्म और चैनल गेट लगेंगे।

एलवीएस में 'करियर इन डिफेंस' सेमिनार

भारतीय सेना में करियर देश सेवा का मौका : पारवाणी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ हायर सेकेंडरी स्कूल में 'करियर इन डिफेंस' सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य छात्र-छात्राओं को सैन्य सेवाओं में उपलब्ध रोजगार के अवसरों के बारे में जानकारी देना और उन्हें देश सेवा के लिए प्रेरित करना था।

सेमिनार में सेना से सेवानिवृत्त कर्नल नारायण पारवानी ने छात्र-छात्राओं से भारतीय सेना में शामिल होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना न केवल एक प्रतिष्ठित करियर विकल्प है, बल्कि यह देश सेवा का अवसर प्रदान करती है। कर्नल पारवानी ने भारतीय सेना में शामिल होने के विभिन्न मार्गों की जानकारी दी, जिनमें कंबाइंड डिफेंस सर्विसेज और नेशनल डिफेंस एकेडमी परीक्षाएं प्रमुख हैं। इसके अलावा उन्होंने अतिरिक्त तकनीकी प्रवेश योजना और चिकित्सा प्रवेश योजना जैसे विकल्पों पर भी प्रकाश डाला।

महिलाओं के लिए बढ़ते अवसर

कर्नल पारवानी ने कहा कि भारतीय सेना में महिलाओं की भूमिका अब अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। महिलाएं अब जल, थल और वायु सेना में विभिन्न लड़ाकू और गैर-लड़ाकू भूमिकाओं में अपनी सेवाएँ दे रही हैं। उन्होंने अग्निवीर योजना का भी जिक्र किया, जिसमें महिलाओं को पुरुषों के समान दर्जा दिया गया है, जिससे उनके लिए सेना में शामिल होने के और अवसर खुले हैं। कार्यक्रम के अंत में कर्नल पारवानी का शॉल और श्रीफल भेंट कर आभार व्यक्त किया गया। सेमिनार में 400 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

सेवा सदन को चन्द्रा देवी मेंघानी के नेत्रों का दान

हिरदाराम नगर। भोपाल निवासी चन्दा देवी मेंघानी का देहावसान 26 जून 2025 को हो गया। दिवंगत प्राणी के पुत्र प्रकाश मेंघानी ने अपनी माता की आंखें सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को दान में दे दी हैं। दिवंगत प्राणी के नेत्र, अब दो जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तियों को प्रत्यारोपित किए जाएंगे। सेवासदन अस्पताल ने अभी तक 2,238 दृष्टिबाधित लोगों को निःशुल्क नेत्र प्रत्यारोपित कर नेत्र ज्योति प्रदान की है। प्रबंधन ट्रस्टी ए.सी. साधवानी ने दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

नेशनल को-ऑपरेटिव एक्सपोर्ट लिमि. के साथ सहकारी संघ एवं मंडी बोर्ड के बीच हुआ एमओयू। इस मौके पर सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि किसानों के उत्पादों को अधिक लाभ मिलेगा।

सड़क के बीच खुले बिजली के तार, एमडी से मांगा जवाब

भोपाल। मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल शहर के पीएनटी कॉलोनी के मायाराम स्मृति भवन के पास सड़क के बीचो-बीच बिजली के तारों के खुले पड़े होने के मामले में संज्ञान लिया है। आयोग के संज्ञान में आया है कि बीते सोमवार को शहर के एक इलाके में खुले ट्रांसफार्मर एवं तारों की चपेट में आने से एक लोडिंग वाहन चालक की मृत्यु हो गई थी, वहीं विगत 31 मई का एक 11 साल के बच्चे की भी खुली डीपी की चपेट मे आने से मृत्यु हो गई थी। खुले पड़े बिजली के तारों एवं ट्रांसफॉर्मर से शहर में आये दिन कई घटनाएं हो रही है, इसके बावजूद प्रशासन और संबंधित विभागों के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इस ओर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। इस कारण लोगों की जान को खतरा बना हुआ है। मामले में आयोग ने एम.डी., मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही दुर्घटनाओं को रोकने के लिए की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन मांगा है।

मैट्रो एंकर सेना ने आपात स्थितियों में बचाव अभियान की संयुक्त माक ड्रिल को अंजाम दिया

यदि राजधानी में बाढ़ आ जाए तो....!

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी के बड़ा तालाब स्थित ईएमई प्रशिक्षण केंद्र, खानूगांव में शुक्रवार को भारतीय सेना के नेतृत्व में बाढ़ राहत और खोज-बचाव कार्यों की संयुक्त ड्रिल की शुरुआत हुई। इस अभ्यास में सेना के साथ एनडीआरएफ और एसडीआरएफ और गृह विभाग की टीमें शामिल हुईं। इस मॉक डेमोंस्ट्रेशन को देख रहे लोगों को आपदा की घड़ी में रेस्क्यू ऑपरेशन का वास्तविक अनुभव मिला। डेमोंस्ट्रेशन के दौरान एसडीआरएफ टीम ने बाढ़ प्रभावित इलाकों की तरह पानी में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने का अभ्यास किया। टीम के सदस्य तालमेल के साथ बोट में सवार होकर पानी के बीच पहुंचे और डूबते व्यक्ति की लोकेशन ट्रेस कर उसे बचाया। दरअसल इसके जरिये यह दिखाया गया कि किस तरह टीम वायरलेस और कॉलिंग के जरिए एक-दूसरे से समन्वय करती है।

फाइल फोटो

ड्रिल का सबसे रोमांचक हिस्सा रहा एनडीआरएफ के डाइवर्स का लाइव प्रदर्शन भी रहा इस टीम ने यह दिखाया कि यदि कोई व्यक्ति पानी में डूब जाए तो किस प्रकार प्रशिक्षित गोताखोर पानी में उतरकर उसकी तलाश कर उसे सुरक्षित बाहर निकालते हैं। गहरे पानी से एक युवक को सफलतापूर्वक बाहर निकालकर वास्तविक स्थिति जैसी रेस्क्यू कार्रवाई का प्रदर्शन किया गया।

दरअसल, ड्रिल के जरिए भोपालवासियों को भरोसा दिलाया गया कि सेना और आपदा प्रबंधन एजेंसियां हर संभावित स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस अभ्यास में सभी एजेंसियों ने अपना समन्वय और कुशलता बखूबी प्रदर्शित कर रही हैं।

सभी तरह बोट्स मौजूद

रेस्क्यू ऑपरेशन में इस्तेमाल की जाने वाली सभी तरह की बोट्स - रिलीफ बोट, सेफ्टी बोट, और रेस्क्यू बोट मौके पर मौजूद रहीं। इनके जरिए बताया गया कि अलग-अलग परिस्थितियों में कौन सी बोट का कैसे उपयोग किया जाता है। एक डेमो में तो बोट के जरिए युवक को तालाब के बीच से रेस्क्यू किया गया, जिसमें एसडीआरऐफ और एनडीआरएफ व सेना के जवानों ने संयुक्त रूप से तालमेल का परिचय दिया।

एमपी सिंधु भवन ट्रस्ट का ऐप अब गूगल प्ले स्टोर पर

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश सिंधु भवन ट्रस्ट का आधिकारिक ऐप अबपर पंजीकृत हो चुका है। ऐप का एंड्रॉइड संस्करण अब लाइव है, और हम जल्द ही एपिल एप स्टोर पर आईओएस संस्करण के भी स्वीकृत होने और लॉन्च होने की उम्मीद कर रहे हैं। यह ऐप सनातनी सिंधी समाज के लिए दुनिया का पहला ऐसा डिजिटल मंच है, जिसे अथक प्रयासों और लगन से विकसित किया गया है।

एप में सिंधु भवन ट्रस्ट की संपूर्ण जानकारी होगी। ट्रस्ट के कार्यक्रमों समाज तक पहुंचेंगे। वैवाहिक पंजीकरण सुविधा (मैट्रिमोनी) होगी, जिसके जरिये सिंधी युवक-युवतियों के लिए वैवाहिक पंजीकरण की सुविधा है। यह दुनिया भर के सिंधी युवाओं को एक मंच प्रदान करता है जहाँ वे अपना पंजीकरण करा सकते हैं और विभिन्न फ़िल्टरों का उपयोग करके आसानी से अपने लिए उपयुक्त जीवनसाथी की तलाश कर सकते हैं। यह सुविधा दुनियाभर के सनातनी सिंधी युवक-युवतियों को एक साथ जोड़ती है, जिससे उन्हें अधिक विकल्पों में से उचित चुनाव करने में मदद मिलती है।

सीएम, सीएस ने कहा था कि समय रहते बारिश पूर्व किए जाने वाले काम पूरे कर लें

जर्जर मकानों को पहले गिराया नहीं, अब लोगों की जान ले रहे

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

बारिश शुरू होते ही प्रदेश भर से जनहानि संबंधी खबरें आनी शुरू हो गई। राजधानी भोपाल में भी ऐसा ही हो रहा है। यहां बुधवार को एक जर्जर मकान का कुछ हिस्सा गिर गया, जिसमें दबने से एक व्यक्ति् की मौत हो गई। यह वही मकान था जिसे गिराया जाना था और इसके लिए निगम की जेसीबी मौका स्थल के लिए रवाना हो गई थी लेकिन वे मकान पर चलतीं उसके पहले मकान का हिस्सा ही व्यक्ति् पर गिर गया।

यह अकेला उदाहरण नहीं है, बल्कि प्रदेश भर के शहरों में जर्जर मकान के ऐसे हजारों उदाहरण है, जो बारिश में देर–सबेर गिरेंगे। ऐसे में इन मकानों से आबादी के संभावित नुकसान की आशंका बढ़ गई है।

2024 में सागर में गई थी 9 बच्चों की जान– जर्जर मकान पहले भी लोगों की जान ले चुके हैं। वर्ष 2024 में बारिश की शुरुआत के समय ही सागर जिले में एक मकान की दीवार ढह गई थी, जिसकी चपेट में स्कूली बच्चे आ गए थे। ये नजदीक ही उत्सव मनाने की तैयारी कर रहे थे। इनमें से 9 बच्चों की जान चली गई थी। तब सरकार ने कलेक्टर, एसपी को भी हटाया था।

दतिया में दीवार ढहने से हुई थी 3 मौतें– वर्ष 2024 में ही दतिया में निर्माणाधीन दीवार का एक हिस्सा ढह गया था, तब काम करने वाले 3 मजदूरों की मौत हो गई थी। उस समय यह भी प्रदेश की बड़ी घटना थी। तब भी प्रदेश भर में जर्जर मकानों से आबादी को दूर रखने, जर्जर अद्योसंरचनाओं को गिरने की कवायद तेज हुई थी लेकिन काम पूरा नहीं हुआ।

सीएस ने 15 दिन पहले दिलाई थी प्रोटोकाल की याद

जर्जर मकानों से होने वाली जनहानि के बारे में शासन को ठीक से जानकारी है क्योंकि बीते साल 50 से ज्यादा बड़ी घटनाएं हुई थी, जिनमें कई लोगों की जान गई। इन तमाम घटनाओं और बारिश पूर्व बाढ़ प्रबंधन को लेकर सीएस ने सभी एसीएस, पीएस, सचिव और विभाग प्रमुखों की बैठकें बुलाईं थी, जिसमें निर्देश दिए थे कि 15 दिनों के भीतर बारिश पूर्व तैयारियों के सभी मापदंडों को पूरा कर लें। यह काम चेकलिस्ट बनाकर करें।

स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षा से जुड़ी कई सरकारी प्रक्रियाओं को बनाया पारदर्शी

हमारे शिक्षक ई-गवर्नेंस प्लेटफार्म पर रहेगा शिक्षकों का सर्विस रिकार्ड

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षा से जुड़ी विभिन्न प्रकार की शासकीय प्रक्रियाओं के पारदर्शी रूप से संचालन के लिये एजुकेशन पोर्टल 3.0 का विकास किया है। इस पोर्टल पर शिक्षकों की सुविधा के लिए हमारे शिक्षक ई-गवर्नेंस प्लेटफार्म विकसित किया गया है। अब शिक्षा विभाग से जुड़े सभी लोकसेवकों का सर्विस रिकार्ड इस प्लेटफार्म के माध्यम से संधारित किया जाएगा। विभाग हमारे शिक्षक प्लेटफार्म पर शिक्षकों को कई सुविधाएं चरणबद्ध रूप से उपलब्ध कराएगा।

हमारे शिक्षक डिजिटल प्रणाली का क्रियान्वयन ट्रायल परीक्षण के रूप में प्रदेश भर में 23 जून से शुरू हो गया है यह ट्रायल राउण्ड 30 जून तक किया जाएगा। इसके बाद प्रदेश के विभिन्न जिलों में ई-अटेंडेंस प्रणाली को अभिक्रमित करते हुए एक जुलाई से इसका वास्तविक क्रियान्वयन प्रारंभ हो जायेगा। हमारे शिक्षक प्रणाली के माध्यम से आने वाले समय में शासकीय सेवकों के स्वत्वों से संबंधित आवेदन इस प्लेटफार्म के माध्यम से प्रस्तुत करने की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसी के बाद उनके हितलाभ संबंधित जानकारी का संधारण तथा व्यक्तिगत लाभ और स्वत्वों आदि के भुगतान का क्रियान्वन भी किया जाएगा।

इस प्लेटफार्म पर अवकाश स्वीकृति एवं अवकाश लेखों का संधारण, क्रमोन्नति एवं समयमान वेतन का लाभ, वेतन वृद्धि लाभ, परिवीक्षा अवधि, शिक्षकों की प्रशिक्षण की उपस्थिति संधारित कर पात्रता अनुसार अवकाश सुरक्षित करना तथा पेंशन स्वत्वों आदि का भुगतान संधारित कर निराकरण की कार्यवाही की जाएगी। जिन स्कूलों में कार्यरत समस्त शिक्षक नियमित रूप से हमारे शिक्षक प्रणाली के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करेंगे उन स्कूलों का निरीक्षण वरिष्ठ अधिकारी द्वारा अनुमति उपरांत ही किया जा सकेगा। जो शिक्षक डिजिटल प्लेटफार्म का उपयोग करेंगे ऐसे सभी शिक्षकों के सेवा अभिलेख में इस तथ्य को विशेष उपलब्धि के रूप में दर्ज किया जाएगा। भविष्य में ऐसे स्कूलों तथा शिक्षकों के लिए सेवा काल में विशेष प्रावधान किए जाएंगे। शासकीय सेवक द्वारा हमारे शिक्षक प्रणाली एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करने की सुविधा दी गई है।

एक घंटे के अंदर स्कूल में लगानी होगी हाजिरी :

हमारे शिक्षक स्कूल में उपस्थिति के अलावा प्रशिक्षण में भी रहने के बाद इस प्लेटफार्म पर उपस्थिति दर्ज कर सकेंगे। शिक्षकों द्वारा प्रतिदिन स्कूल प्रारंभ होने के निर्धारित समय के एक घंटे तक उपस्थिति दर्ज कर सकेंगे। स्कूल बंद होने के समय से आधे घंटे पूर्व से स्कूल से वापसी की उपस्थिति दर्ज की जा सकेगी। स्कूल में शिक्षकों को पाली का समय चुनने का विकल्प भी दिया गया है। निर्धारित समय-सीमा के बाद उपस्थिति दर्ज करने पर अर्द्धदिवस का अकास्मिक अवकाश दर्ज किया जाएगा। इस आदेश के संबंध में सभी जिला शिक्षा अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी लोकसेवक ऑनबोर्ड होकर स्कूल में हमारे शिक्षक प्रणाली पर अवकाश और उपस्थिति दर्ज किया जाना सुनिश्चित कर रहे हैं।

एक जुलाई से 1165 स्थानों पर पौधारोपण

सड़कों के किनारे पौधे रोपेंगे लोक निर्माण के इंजीनियर ! मकसद जमीनों को बचाना

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

लोक निर्माण विभाग और मप्र रोड डवलपमेंट कॉर्पोरेशन मिलकर मप्र के अपने प्रोजेक्ट किनारे एक लाख पौधे लगाने की तैयारी कर रहे हैं। यानि पीडब्ल्यूडी और आरडीसी की जितनी भी सड़क किनारे की जमीन है, उसमें पूरे में पौधे रोपे जाएंगे। इसका दूसरा मकसद इस खाली जमीन को अतिक्रमण से बचाना भी है। पौधरोपण का काम एक जुलाई से पूरे प्रदेश में शुरू होगा।

जानकारी के मुताबिक जो पौधे लगाए जाएंगे, उनमें नीम, पीपल, जामुन के साथ ऐसे पौधे शामिल किए गए हैं, जो कम पानी में तेजी से बढ़ सके। बताया जाता है कि इन पौधों की साइज 4 से 6 फीट रहेगी। दावा है कि इन दोनों एजेंसी ने मिलकर प्रदेश में इसके लिए 1165 स्थान चिन्हित भी कर लिए हैं। इसमें से भोपाल संभाग में 239 और चीफ इंजीनियर ब्रिज भोपाल के अंतर्गत 178 जगह चिन्हित की गई हैं। जबकि सबसे अधिक जबलपुर संभाग में 265 जगह, इंदौर संभाग में 120, सागर में 117, रीवा संभाग में 87, ग्वालियर में 83, उज्जैन में 49 और एनएच भोपाल में 27 जगह चिन्हित की गई हैं।

भोपाल के 448 पेड़ भोजपुर शिफ्ट

बताया जाता है कि इस पौधरोपण के साथ ही 1 जुलाई से भोपाल 11 मील तिराहे से बंगरसिया तक सड़क किनारे लगे पेड़ों को शिफ्ट करने का काम शुरू हो जाएगा। इस रोड पर कुल 448 बड़े पेड़ हैं, जो कुल 7 किमी के दायरे में लगे हुए हैं। पीडब्ल्यूडी इन्हें शिफ्ट करने के लिए इन पर 65 लाख रुपए खर्च करेगा। पेड़ों को भोजपुर मंदिर के पास शिफ्ट किया जाएगा।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में ऊर्जा विभाग नबंर-1

भोपाल। लोक सेवा प्रबंधन विभाग द्वारा सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निराकरण की स्थिति के आधार पर जारी ग्रेडिंग में ऊर्जा विभाग लगातार प्रथम स्थान पर बना हुआ है। विभागों की जारी ग्रेडिंग में एक मई से 31 मई 2025 तक की स्थिति में शिकायतों के निराकरण में ऊर्जा विभाग नम्बर-1 है। जून 2023 से अगस्त 2024 तक भी ऊर्जा विभाग लगातार प्रथम स्थान पर रहा है। दूसरे नम्बर पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी गत दिनों सीएम हेल्पालाइन के प्रकरणों के निराकरण में ऊर्जा विभाग के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई दी थी। ऊर्जा विभाग की आमजनों के बीच लगातार संवेदनशील छवि बनी हुई है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विभागीय अधिकारियों द्वारा शिकायतों के निराकरण में तत्परता से की गई कार्यवाही पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि आशा ही नहीं पूरा विश्वास है कि अधिकारी आगे भी बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का इसी तरह से त्वरित निराकरण करते रहेंगे।

नई शिक्षा नीति: कार्यशाला में हिंदी ग्रंथ अकादमी करेगी सहभागिता

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के लिए 27 जून को विश्वकर्मा भवन आईआईटी दिल्ली में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी करेगी सहभागिता करेगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप भारतीय भाषाओं के समग्र और बहुविषयक विकास के लिए क्रियान्वयन एवं कार्ययोजना के लिए आवश्यक एवं महत्वपूर्ण अनुशंसा करने के लिए भारतीय भाषा समिति का गठन किया गया है। भारतीय भाषा समिति के द्वारा मुख्य रूप से भारतीय भाषाओं के लिए एक समान वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली के लिए मंथन को लेकर यह कार्यशाला आयोजित की गई है।

कार्यशाला में मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी भोपाल की ओर से अकादमी के संयुक्त संचालक डॉ. उत्तम सिंह चौहान एवं सहायक संचालक राम विश्वास कुशवाहा प्रतिनिधित्व करेंगे।?अकादमी के पदाधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में शिक्षा के सभी स्तरों पर शिक्षण के माध्यम के रूप में मातृभाषा/स्थानीय भाषा के उपयोग पर जोर दिया गया है। भारतीय भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें और अध्ययन सामग्री छात्रों को विषयों को बेहतर ढंग से समझने में सहायता करेगी। भारतीय भाषा पुस्तक योजना एक केंद्रीय योजना है, जो स्कूल और उच्च शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर पढ़ाई जा रही पाठ्यपुस्तकों को 22 भारतीय भाषाओं में डिजिटल रूप में उपलब्ध कराएगी। कार्यशाला में अकादमी के पदाधिकारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी द्वारा किए गए पुस्तक निर्माण, भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित पुस्तक, अकादमी की उपलब्धियां तथा स्नातक एवं स्नातकोत्तर एवं संदर्भ ग्रंथ की पुस्तकों के प्रकाशन के संदर्भ में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करेंगे।

भाषाई आत्मीयता और एकता की दिशा में एक अग्रणी कदम

पुस्तक योजना का समन्वय भारतीय भाषा समिति द्वारा किया जाता है तथा इसकी योजना और क्रियान्वयन संबंधित विनियामक प्राधिकरणों और यूजीसी, एआईसीटीई, आईएनआई और एनआईएमआई/एनएसडीसी जैसी संस्थाओं द्वारा विकेंद्रीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से किया जाता है। विश्वविद्यालय/संस्थाएं ; पुस्तक निर्माण, मूल लेखन या अनुवाद के लिए दोनों या इनमें से किसी भी दृष्टिकोण को अपना सकते हैं। पुस्तक योजना में विशेष रूप से विषय–वस्तु निर्माण और अनुवाद में शब्दावली के अखिल भारतीय अंतर–उपयोग के लिए एक समान शब्दावली की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह हमारे देश में शिक्षा के भारतीय भाषा माध्यम को मजबूत करने तथा भाषाई आत्मीयता और एकता की दिशा में एक अग्रणी कदम है। सभी भारतीय भाषाओं में सभी क्षेत्रों में एक समान वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली लाने के लिए कदम उठाने से, विभिन्न भाषाओं में शब्दावली का उपयोग आसान हो जाएगा और सभी के लिए भारतीय भाषा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में सहायता मिलेगी।

भोपाल। प्रदेश में 30 मार्च से शुरू हुए जल गंगा संवर्धन अभियान में जल संरचनाओं के निर्माण के कार्य लगभग पूरे किये जा चुके हैं। अभियान के दौरान जिलों में तैयार की गयी जल संरचनाओं से आसपास के क्षेत्र में जल स्तर बढ़ेगा।

मेट्रो एंकर

इंदौर में हुई उपयोगित जल प्रबंधन पर कार्यशाला

देश में पहली बार तैयार किया जा रहा है री-यूज वॉटर पोर्टल

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री संजय शुक्ला ने कहा है कि भारत में पहली बार री-यूज वॉटर पोर्टल का निर्माण किया जा रहा है, जो प्रदेश में जल संरक्षण और पुन- उपयोग की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि किसी भी समस्या के समाधान के लिये ज्ञान, संसाधन और इच्छा-शक्ति तीनों का होना आवश्यक है। प्रमुख सचिव शुक्ला शुक्रवार को इंदौर में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला और जल संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि नगरीय सेवाओं में कार्य करना एक चुनौती है, जिसमें समर्पण के साथ तकनीकी और प्रशासनिक दक्षता की आवश्यकता होती है। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि इंदौर की कार्यशाला में प्राप्त निष्कर्षों का क्रियान्वयन इंदौर के साथ-साथ प्रदेश के अन्य नगरीय क्षेत्रों में श्रेष्ठ नवाचार के रूप में पहचाना जायेगा। आयुक्त नगरीय विकास एवं प्रशासन श्री संकेत भोंडवे ने बताया कि जल प्रबंधन के लिये 3 सिद्धांत री-यूज, रीड्यूज और री-साइकल पर आधारित रणनीति अपनायी जा रही है। उन्होंने कहा कि जिस तरह इंदौर ने स्वच्छता के क्षेत्र में अपना नाम देशभर में स्वच्छता के श्रेष्ठ मॉडल के रूप में स्थापित किया है, उसी तरह इस कार्यशाला के विचार-विमर्श के बाद नवाचार के माध्यम से इंदौर उपयोगित जल प्रबंधन पर अन्य शहरों के लिये अनुकरणीय मॉडल प्रस्तुत करेगा। उन्होंने प्रदेश में नगरीय क्षेत्रों में जल गंगा संवर्धन अभियान में किये गये कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम को कलेक्टर इंदौर श्री आशीष सिंह और नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा ने भी संबोधित किया। तकनीकी सत्र में सीएसआईएस के डॉ. राजेश बीनीवाले, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के डॉ. शैलेश खरकवाल, आईआईटी रुड़की के प्रो. संजेश प्रजापति, प्रो. राजेश गुप्ता और सीएसई की सुश्री चक्रवर्ती ने उपयोगित जल के उचित प्रबंधन के संबंध में विचार व्यक्त किये।

संपादकीय

कई देशों को सख्त संदेश

दुनिया के कई देशों के लिये सिरदर्द बन चुका आतंकवाद का मुद्दा ऐसे मुकाम पर है कि समूची दुनिया में एकराय देखी जाने लगी है। सभी देश भी समझ चुके हैं कि जब तक इसके खिलाफ संयुक्त मोर्चा नहीं खोला जाएगा, इस पर पूरी तरह काबू पाना संभव नहीं होगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस बात की अपेक्षा और मांग की जाती है कि किसी भी देश या समूह को इस मामले में दोहरा रवैया नहीं अपनाना चाहिए। मगर आतंकवाद की समस्या से उपजी फिक्र तब बेमानी हो जाती है जब क्षेत्रीय सहयोग के लिए गठित देशों के किसी समूह में आतंक का सामना करने को लेकर दोहरे पैमाने अपनाए जाते हैं। गौरतलब है कि चीन के किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ के सम्मेलन में जो साझा बयान तैयार किया गया, उसमें बलूचिस्तान का उल्लेख तो किया गया, लेकिन पहलगाम का जिक्र नहीं किया गया। हालांकि पहलगाम में पर्यटकों पर हुए हमले और उसकी प्रकृति को सभी देश आतंकवाद का एक क्रूर चेहरा ही मानते हैं और उसके खिलाफ अभियान चलाने को लेकर प्रतिबद्धता जताते रहते हैं लेकिन विचित्र बात है कि एससीओ की बैठक में आतंकवाद से लड़ाई के संदर्भ में पहलगाम हमले को दर्ज करना जरूरी नहीं समझा गया। इसलिए यह स्वाभाविक ही है कि इस बैठक में तैयार संयुक्त बयान पर भारत ने हस्ताक्षर करने से मना कर दिया और साफतौर पर कहा कि यह बयान आतंकवाद के खिलाफ भारत के मजबूत रुख को नहीं दिखाता। इसके बाद यह सम्मेलन बिना संयुक्त बयान जारी किए ही समाप्त हो गया। यह हकीकत रही है कि भारत में आतंकवाद की समस्या को जटिल बनाने में पाकिस्तान ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। दुनिया के ज्यादातर देश भली-भांति जानते भी हैं। खुद चीन के बेजिंग में कुछ वर्ष पहले हुए ब्रिक्स देशों के सम्मेलन के घोषणापत्र में इस तथ्य को शामिल किया गया था कि कई बड़े आतंकवादी संगठन पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करते हैं। फिर पहलगाम में पर्यटकों पर बर्बर हमलों में भी पाकिस्तान से आए आतंकियों का हाथ होने की बात सामने आई थी। इसके बावजूद एससीओ सम्मेलन के संयुक्त बयान में पहलगाम हमले का जिक्र नहीं किया जाना क्या दर्शाता है? सवाल है कि इस सम्मेलन में क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए संगठन के सदस्य देश हिस्सा ले रहे हैं, तो भारत में आतंकवाद पर उनके दोहरे पैमाने दुनिया के सामने इसके खिलाफ लड़ाई का कैसा रास्ता तैयार करेंगे। वैश्विक मंचों पर पाकिस्तान आतंकवाद को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से शह देने की अघोषित नीति पर काम करता है और अपनी सीमा में आतंकवादियों को पनाह देता रहा है! भारत में घुसपैठ से लेकर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और आतंकी हमलों का सिरा कहां से जुड़ा होता है, यह छिपा नहीं है। विडंबना यह है कि इसके बावजूद चीन आमतौर पर पाकिस्तान के हक में खड़ा दिखता रहा है। एससीओ की बैठक के संयुक्त बयान में भी पहलगाम को शामिल न कर बलूचिस्तान का जिक्र करने की कोशिश क्या चीन का पाकिस्तान को स्पष्ट समर्थन नहीं दर्शा रहा? आतंकवाद पर ऐसे दोहरे पैमाने के साथ इसके खिलाफ किस तरह की लड़ाई का दावा किया जा सकता है। लिहाजा भारत ने साझा बयान से असहमति जताकर एससीओ के देशों तथा खासतौर पर चीन और पाकिस्तान को जिस तरह का स्पष्ट संदेश दिया है, वह ही समय की मांग है।

उर्वरक नीति में बदलाव अब समय की मांग

■ डॉ. वीरेन्द्र सिह लाठर

उर्वरक सब्सिडी का प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण के रूप में किये जाने का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सही लाभार्थियों तक समय पर पहुंचे, जिससे योजनाओं की प्रभावशीलता में सुधार होता है। इसका मुख्य लक्ष्य पारदर्शिता बढ़ाना है।

हरित क्रांति के दौर से पहले किसान प्राकृतिक खेती किया करते थे, जिसमें रासायनिक उर्वरकों की खपत नगण्य थी। उस समय फसलों का उत्पादन और उत्पादकता कम थी। देश के बार-बार अकालग्रस्त होने से, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा विदेशी अनाज के आयात पर निर्भर थी। वर्ष 1943 के बंगाल अकाल में 30 लाख से ज्यादा लोग भूख से मारे गए। ऐसी विकट परिस्थितियों में, नीतिकारों ने हरित क्रान्ति के जनक डा. नॉर्मन बोरलॉग द्वारा विकसित गेहूं की बौनी किस्मों और अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान से धान की बौनी किस्मों का आयात करके, देश में हरित क्रांति का आगाज किया। इन उन्नत गेहूं-धान की बौनी किस्मों और बाजरा-ज्वार की हाईब्रीड किस्मों से पूरा उत्पादन लेने के लिए, भारी मात्रा में उर्वरकों का आयात और उत्पादन व भूजल आधारित ट्यूबवेल से सिंचाई सुविधाओं का विस्तार किया गया।हरित क्रांति दौर में अपनाए गए कृषि सुधारों से देश में विभिन्न फसलों के उत्पादन और उत्पादकता में कई गुणा बढ़ोतरी हुई। जिसकी बदौलत पिछले 5 दशकों से, लगातार बढ़ती आबादी के बावजूद, देश खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बना हुआ है। चावल का पचास हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का वार्षिक निर्यात भी कर रहा है।

भारत में वर्ष 2022 में उर्वरक की औसत खपत 193 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि थी और लगभग 30 करोड़ मीट्रिक टन उर्वरक की खपत हुई। भारत में यूरिया सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला उर्वरक है। देश में उर्वरक की खपत प्रतिवर्ष बढ़ती जा रही है। उर्वरकों की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए सरकार भारी मात्रा मे वार्षिक आयात करती है।हरियाणा-पंजाब-पश्चिम उत्तर प्रदेश आदि प्रदेशों में गेहूं-धान फसल चक्र की उत्पादकता 10 टन वार्षिक से ज्यादा है। इसी तरह पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडू, केरल आदि प्रदेशों में भी वार्षिक धान की 2-3 फसल चक्र की उत्पादकता 10 टन से ज्यादा है। इसलिए इन प्रदेशों में उर्वरक की वार्षिक खपत राष्ट्रीय औसत से दुगने से भी ज्यादा प्रति हेक्टेयर 250 किलो नाइट्रोजन, 120 किलो फास्फोरस और 200 किलो पोटेशियम के आसपास है। जबकि वर्षा आधारित बारानी फसलों बाजरा, ज्वार, दलहन, तिलहन आदि के उत्पादक राज्यों में उर्वरक की वार्षिक खपत राष्ट्रीय औसत से काफी कम रहती है। उच्च उत्पादकता वाली कन्दमूल और गन्ने जैसी फसलों को अच्छी पैदावार देने के लिए ज्यादा पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, जिससे इन फसलों की रासायनिक उर्वरक की खपत बहुत ज्यादा होती है।हरित क्रांति दौर से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए, नीतिकारों ने कृषि क्षेत्र के लिए रासायनिक उर्वरक की सस्ती दर पर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उर्वरक सब्सिडी नीति को अपनाया। किसानों को सस्ती दरों पर उर्वरक उपलब्ध कराने पर सरकार का व्यय पिछले वित्त वर्ष में 6 प्रतिशत घटकर रुपये 1,77,129.5 करोड़ रह गया, जो 2023-24 के दौरान रुपये 1,88,291.62 करोड़ था। यह गिरावट मुख्य रूप से यूरिया और डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) के आयात में गिरावट तथा अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में कमी के कारण हुई है। गिरावट के बावजूद, वास्तविक सब्सिडी बजट में प्रदान की गई रुपये 1,71,310 करोड़ से 3.4 प्रतिशत अधिक है। यूरिया, जो एक पूर्णतः नियंत्रित उर्वरक है, का विक्रय मूल्य पिछले कई वर्षों से 267 रुपये प्रति (45 किग्रा) बैग पर बना हुआ है। उद्योग के अनुमानों से पता चलता है कि सब्सिडी के बिना यह लगभग 1,750 रुपये प्रति बैग हो सकता है। इसी प्रकार, डीएपी का खुदरा मूल्य 1,350 रुपये प्रति बैग तय किया गया है, जो बिना सब्सिडी के लगभग 3,500 रुपये प्रति बैग हो जाएगा।

सरकारी विभागों के कदाचार की वजह से लगभग आधे से ज्यादा सब्सिडी वाले कृषि ग्रेड उर्वरक की खपत उद्योगपतियों की फैक्टरियों में गैर-कानूनी तौर पर हो रही है यानी कृषि के लिए दी जा रही केन्द्रीय उर्वरक सब्सिडी का लाभ किसानों को नहीं मिलकर, उद्योगपतियों को मिल रहा है। हर वर्ष फसल बुआई के समय किसानों को उर्वरक पूरी मात्रा में नहीं मिल पा रहा है। उन्हें उर्वरक खुले बाजार से महंगे दाम पर ब्लैक में लेना पड़ रहा है। किसानों को समय पर पूरी मात्रा में उर्वरक नहीं मिल पाने से, फसल की उत्पादकता पर भी दुष्प्रभाव पड़ रहा है।कृषि ग्रेड उर्वरक किसानों को सब्सिडी वाले उर्वरक नहीं मिलने के चलते सरकार द्वारा नियंत्रित सहकारी उर्वरक कम्पनी इफ्को किसानों को वर्ष 2021 से नैनो यूरिया बेच रही है। इफ्को कम्पनी के दावों के अनुसार नैनो यूरिया तरल स्वरूप में, पारंपरिक दानेदार यूरिया की 50 किलो की एक बोरी का विकल्प है। हरित क्रांति दौर से अग्रणी रहे पंजाब कृषि विश्वविद्यालय आदि अनेक संस्थानों के अनुसंधान में नैनो यूरिया को कृषि क्षेत्र के लिए अनुपयोगी पाया गया है।

कृषि ग्रेड उर्वरक के उद्योग में गैर-कानूनी दुरुपयोग को रोकने और उर्वरक सब्सिडी को युक्तिसंगत बनाकर किसानों तक पहुंचाने के लिए सरकार पिछले कई वर्षों से प्रयासरत है। कृषि सुधारों में सबसे ज्यादा तर्कसंगत उपाय उर्वरक सब्सिडी का किसानों को प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण रहेगा। उर्वरक सब्सिडी के मौजूदा सरकारी आंकड़ों के हिसाब से प्रति एकड़ सिंचित भूमि के लिए 7,000 रुपये और वर्षा आधारित बारानी भूमि के लिए 4,000 रुपये दिये जाने चाहिए। कृषि मंत्रालय ने पहले ही पीएम-किसान, पीएम फसल बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड जैसी विभिन्न योजनाओं के आंकड़े तथा प्रत्येक किसान को नवीनतम विशिष्ट आईडी, जिसमें भूमि जोत, बोई गई फसल और उपज जैसे विवरण शामिल हैं, उर्वरक मंत्रालय के साथ साझा कर दिया है।उर्वरक सब्सिडी का प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण के रूप में किये जाने का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सही लाभार्थियों तक समय पर पहुंचे, जिससे योजनाओं की प्रभावशीलता में सुधार होता है। इसका मुख्य लक्ष्य पारदर्शिता बढ़ाना है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

आज का इतिहास

- 1651: पोलैंड और यूक्रेन के बीच बेरेस्तेको युद्ध शुरू।
- 1776: अमेरिका की जीत के साथ सुलीवन द्वीप युद्ध समाप्त। इतिहास में इसे अमेरिकी क्रांति के नाम से जाना जाता है।
- 1838: विक्टोरिया इंग्लैंड की महारानी बनीं।
- 1846: एडोल्फ सैक्स ने वाद्य यंत्र सेक्सोफोन का पेटेंट कराया।

1857: नाना साहेब ने बिठूर में स्वयं को पेशवा घोषित कर अंग्रेजों को भारत से उखाड़ फेंकने का आह्वान किया।

- 1894: श्रम दिवस पर अमेरिका में आधिकारिक अवकाश घोषित।
- 1902: अमेरिकी संसद ने स्पूनर कानून पारित कर राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट को कोलंबिया से पनामा नहर के अधिग्रहण का अधिकार दिया।
- 1914: ऑस्ट्रिया के आर्कड्यूक फ्रांज फर्डिनेंड और उनकी पत्नी सोफी की साराजेवो में हत्या, यह प्रथम विश्वयुद्ध का तात्कालिक कारण बना।
- 1919: वारसा की संधि पर हस्ताक्षर।
- 1926: गोत्तलिब डैमलर और कार्ल बेन्ज ने दो कंपनियों का विलय कर मर्सिडिज-बेन्ज की शुरुआत की।
- 1950: कोरिया युद्धः वामपंथियों के प्रति नरम रुख रखने के संदेह में बोडो लीग नरसंहार।
- 1975: भारत में आपातकाल के दौरान सरकार विरोधी प्रदर्शनों की पृष्ठभूमि में केंद्र ने स्वतंत्रता के बाद सबसे कठोर प्रेस सेंसरशिप लागू किया।
- 1981: चीन ने कैलाश और मानसरोवर का रास्ता खोला।
- 1981: तेहरान में भीषण बम विस्फोट। इस्लामिक रिपब्लिकन पार्टी के 73 पदाधिकारी मारे गए।
- 1986: मिजो नेशनल फ्रंट के साथ समझौता। लाल डेंगा मिजोरम के मुख्यमंत्री बने।
- 1986: भारत सरकार ने अविवाहित लड़कियों को भी मातृत्व अवकाश देने का कानून बनाया।
- 1995: बाघों को शिकारियों से बचाने और उन्हें आश्रय देने के लिए मध्य प्रदेश को टाइगर स्टेट घोषित किया गया।
- 1996: भारत ने फिलिस्तीनी नियंत्रण वाले गाजा सिटी में अपना मिशन खोला।
- 1999: रूमानिया ने अपनी वायुसेना में रूसी विमानों की उड़ान पर रोक लगाई।
- 2004: अमेरिकी गठबंधन की सेना ने इराक की अंतरिम सरकार को बागडोर सौंपी।
- 2005: रूस ने ईरान के लिए छह परमाणु रिएक्टर बनाने की घोषणा की।
- 2008: लंदन में नासिरा शर्मा को उनके उपन्यास कुईयां जान के लिए 14वां अंतरराष्ट्रीय इंदु शर्मा कथा सम्मान प्रदान किया गया।
- 2010 : हावड़ा से मुंबई (कुर्ला) जा रही हावड़ा कुर्ला लोकमान्य तिलक ज्ञानेश्वरी सुपर डीलक्स एक्सप्रेस के 13 डिब्बे पटरी से उतरे। इन डिब्बों से विपरीत दिशा से आ रही मालगाड़ी के टकराने से 149 यात्रियों की मौत।
- 1883: दैनिक आज के संस्थापक और प्रसिद्ध क्रान्तिकारी शिवप्रसाद गुप्त का जन्म।
- 1921: भारत के पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव का जन्म।
- 1960: भाजपा नेता प्रहलाद सिंह पटेलका जन्म।
- 1976: प्रसिद्ध भारतीय निशानेबाज जसपाल राणा का जन्म।
- 1995: ऊंची कूद के भारतीय खिलाड़ी मरियप्पन थंगावेलु का जन्म।

मजबूत जीडीपी के लिए वर्कफोर्स में महिलाओं की भागीदारी बढ़ानी होगी

■ तृप्ति सिंघल सोमानी

भारत ने जेंडर इक्विटी की दिशा में काफी कुछ किया है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। देश ने महिला साक्षरता यानी फीमेल लिटरेसी और हायर एजुकेशन में महत्वपूर्ण प्रगति की है। हालांकि, ये उपलब्धियां अभी तक प्रपोशनल वर्कफोर्स पार्टिसिपेशन में तब्दील नहीं हुई हैं। हालिया WEP (वुमन एम्पावरमेंट प्रिंसिपल्स) लेबर फोर्स विश्लेषण के अनुसार, 2024 में महिला साक्षरता दर 77% से अधिक पहुंच गई थी और महिलाएं अब उच्च शिक्षा में करीब 48त्न स्टूडेंट्स का प्रतिनिधित्व करती हैं. इसके बावजूद फीमेल लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन रेट (FLFPR) 2023-24 में 41.7% है, जो वैश्विक औसत से काफी नीचे है। यह आंकड़ा शिक्षा और रोजगार के बीच एक बड़े अंतर को उजागर करता है।

यहां गौर करने वाली बात यह है कि भले ही अब पहले से अधिक महिलाएं ग्रेजुएट हो रही हैं, लेकिन फॉर्मल वर्कफोर्स में उनकी भागीदारी अभी भी अपेक्षाकृत कम है। WEP डेटा के अनुसार, सभी ग्रेजुएट्स में से लगभग आधी हिस्सेदारी के बावजूद केवल 20% महिलाएं ही फॉर्मल एम्प्लॉयमेंट या एंटरप्रेन्योरशिप में प्रवेश कर पाती हैं। यहां तक कि ग्रेजुएशन में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वालीं महिलाएं भी कभी-कभी वर्कफोर्स का हिस्सा नहीं बन पातीं, यह शिक्षा से रोजगार तक पहुंचने की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल की तरह है।

शिक्षा और नौकरी के बीच का यह अंतर महिलाओं की क्षमता का प्रतिबिंब नहीं है, बल्कि ऐसे माहौल को दर्शाता करता है, जहां महिलाओं को अपनी प्रोफेशनल यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त सपोर्ट नहीं मिलता। एजुकेशनल इंस्टिट्यूट अक्सर अपने यहां बढ़ती स्टूडेंट्स की संख्या का जश्न मनाते हैं, लेकिन उतने उत्साह के साथ शायद ही कन्वर्शन रेट को ट्रैक करते हैं - यानी उन महिला स्टूडेंट्स का अनुपात जो नौकरी हासिल करती हैं, व्यवसाय शुरू करती हैं, या नेतृत्व की भूमिकाएं निभाती हैं।

वूमेनोवेटर में हम नीतिगत बदलाव की पुरज़ोर वकालत करते हैं। भारत के नेशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF) में कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में एक प्रमुख पैरामीटर के रूप में कन्वर्शन रेट को शामिल किया जाना चाहिए। संस्थानों का मूल्यांकन न केवल एकेडमिक प्रदर्शन के आधार पर बल्कि महिलाओं को वर्कफोर्स में शामिल करने की उनकी क्षमता के आधार पर किया जाना चाहिए। यदि ऐसा सही तरीके से होता है, तो यह न केवल फीमेल एम्प्लॉयमेंट रेश्यो में सुधार करेगा बल्कि भारत की जीडीपी वृद्धि में भी सार्थक योगदान देगा। फीमेल वर्कफोर्स पार्टिसिपेशन में हालिया वृद्धि उल्लेखनीय है, लेकिन इसका अधिकांश हिस्सा सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट या अनपेड फैमिली वर्क के कारण है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसा ज्यादा देखने को मिलता है। इस तरह की भागीदारी अक्सर वित्तीय स्थिरता और विकास के अवसरों में कमी की वजह बनती है। शहरी क्षेत्रों में, लैंगिक असमानताएं (Gender Disparities) अभी भी मौजूद हैं, एंट्री लेवल की भूमिकाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी 31% हैं, जबकि लीडरशिप पोजीशन में यह आंकड़ा महज 13% है। वूमेनोवेटर में हम इस तस्वीर को बदलने के लिए काम कर रहे हैं। हमारा मेंटर-मेंटी प्रोग्राम पहले ही 1000 से ज्यादा अनुभवी पेशेवरों को विभिन्न क्षेत्रों की महत्वाकांक्षी महिलाओं से जोड़ चुका है, जिसका सीधा असर 300 से ज्यादा महिलाओं के करियर पर पड़ा है। हमारा मानना है कि वास्तविक सशक्तिकरण कम्युनिटी, मेंटरशिप और सपोर्ट से उत्पन्न होता है, और हम एक ऐसा इकोसिस्टम बना रहे हैं जो सुनिश्चित करता है कि महिलाएं अपनी प्रोफेशनल जर्नी में कभी अकेली न रहें।

जमीनी स्तर पर शिक्षा और नौकरी के इस अंतर को पाटने के लिए, वूमेनोवेटर में हम कॉलेजों में Womennovator सेल स्थापित करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। यह एक तरह का डेडिकेटेड संगठन है, जो मेंटरशिप, करियर काउंसलिंग और एंटरप्रेन्योरियल ट्रेनिंग प्रदान करता है। ये सेल पीयर-टू-पीयर नेटवर्क को बढ़ावा देते हैं और युवा महिलाओं को आत्मविश्वास से वर्कफोर्स में प्रवेश करने और आगे बढ़ने के लिए तैयार करते हैं। इसके अतिरिक्त, हमने महिलाओं को लीडरशिप और कम्युनिटी-बिल्डिंग स्किल्स से लैस करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक कम्युनिटी डेवलपमेंट एंड लीडरशिप कोर्स भी शुरू किया है। यह कोर्स न केवल प्रतिभागियों को अपनी पहचान विकसित करने में मदद करता है, बल्कि उन्हें दूसरों को ऊपर उठाने में भी सक्षम बनाता है, ताकि सशक्तिकरण का प्रभाव विभिन्न क्षेत्रों तक महसूस किया जा सके।

भारत जैसे देश में जहां सामाजिक और संरचनात्मक बाधाएं अभी भी महिलाओं की प्रोफेशनल प्रगति को सीमित करती हैं, वूमेनोवेटर एक रिलेवेंट, स्केलेबल और इम्पैक्ट-ड्रिवेन सल्यूशन प्रदान करता है। हमारे प्रयास प्रत्यक्ष तौर पर राष्ट्रीय आर्थिक लक्ष्यों के साथ संरेखित हैं और क्षमता को भागीदारी में बदलने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। शोध से पता चलता है कि रोजगार में लैंगिक अंतर यानी जेंडर गैप को पाटने से 2025 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 770 अरब डॉलर की वृद्धि हो सकती है। यदि भारत अपने 5 ट्रिलियन डॉलर के आर्थिक लक्ष्य को प्राप्त करना चाहता है, तो वह महिलाओं के रूप में अपनी आधी प्रतिभावान आबादी को पीछे नहीं छोड़ सकता। महिलाओं को वर्कफोर्स का हिस्सा बनने और लीडरशिप की भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाना महज एक सामाजिक अनिवार्यता नहीं है- यह एक आर्थिक आवश्यकता भी है।

वूमेनोवेटर केवल बदलाव की वकालत नहीं कर रहा- हम खुद ऐसे रास्ते निर्मित कर रहे हैं जो इसे संभव बनाते हैं। मेंटरशिप, पॉलिसी एडवोकेसी और कम्युनिटी लीडरशिप के माध्यम से, हम वर्कफोर्स में भारतीय महिलाओं की भूमिका को फिर से परिभाषित करने के लिए काम कर रहे हैं। इस अंतर को पाटने का समय अब आ गया है, और इसकी शुरुआत सफलता को मापने के लिए कन्वर्शन रेट को आवश्यक पैमाना बनाने से होती है।

(साभार: यह लेखिका के विचार हैं)

सत्य बात कठोर होती है।
- कुशवाहा कान्त

निशाना

बात नहीं बन पाई !

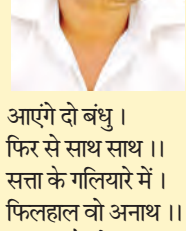

आएंगे दो बंधु ।
फिर से साथ साथ ।।
सत्ता के गलियारे में ।
फिलहाल वो अनाथ ।।
लग रहा है जोर ।
आ रहे बयान ।।
लौट आता कब तक ?
देखते सम्मान ।।
कोशिश है पुरानी ।
हो जाए बस मेल ।।
लेकिन अंदर बाहर से ।
चालू रहता खेल ।।
अहं का टकराव ।
बात नहीं बन पाई ।।
स्थिति विचित्र है ।
घड़ी आज जो आई ।।

- कृष्णेन्द्र राय

शहर में निकली जगदीश स्वामी रथयात्रा

महाप्रभु जगन्नाथ के दर्शनों को उमड़ा भक्तों का सैलाब

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

शुक्रवार को नगर में अलग अलग तीन स्थानों से जगदीश स्वामी रथयात्रा बड़े ही हर्षोल्लास के साथ निकली। जगदीश स्वामी रथयात्रा बेतवा घाट स्थित प्राचीन नौलखी मंदिर में भगवान की पूजन कर भोग लगाने के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। इसके बाद नौलखी से रथयात्रा शुभारंभ हुई जो मुख्यमार्गों से होते हुए स्टेशन नौलखी मंदिर पहुंची। दूसरी रथयात्रा वेदनखेड़ी स्थित जग्गा मंदिर से निकाली गई। वहीं तीसरी रथयात्रा पंचमुखी हनुमान मंदिर से निकाली गई। जिसमें शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने रथयात्रा में शामिल होकर भगवान जगन्नाथ जी के दर्शन कर धर्मलाभ लिया। रथयात्रा के साथ भजन मंडली और डीजे की धुन पर भगवान के भजनों पर श्रद्धालु नाचते हुए चल रहे थे। जगह जगह नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर जय जगन्नाथ के जयकारे लगाकर रथयात्रा का स्वागत किया। रथयात्रा में दूर दूर से आए श्रद्धालु शामिल हुए। जगह जगह भगवान जगदीश स्वामी जी की आरती कर भगवान को भोग लगाकर प्रसादी का वितरण किया।

जगन्नाथ का भात जगत पसारे हाथ

जगदीश रथ यात्रा पर शहर के नागरिकों द्वारा शहर में सैकड़ों जगह स्टाल लगाकर भंडारे का आयोजन किया। जिसमें श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण की गई। जिसमें शहर सहित दूर दराज से आए श्रद्धालुओं ने भी लाइन में लगकर जगन्नाथ का भात जगत पसारे हाथ के जयकारे लगाते हुए प्रसादी ग्रहण की।

5 जुलाई तक गुंडीचा भवन स्वयंवरम गार्डन में रुकेंगे भगवान जगन्नाथ

जगन्नाथ रथ यात्रा में उमड़ा सैलाब, पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं ने किया स्वागत

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

अखंड मंडलेश्वर धाम डोंगरवाड़ा के भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा शुक्रवार को गाजे बाजे के साथ निकली। यात्रा में कभी रिमझिम फुहार हुई तो कभी धूप भी खिली। धूप की गर्मी और बारिश की बूंदें भी भगवान जगन्नाथ का उत्साह कम नहीं कर सकी। सुबह 10 बजे रथ यात्रा डोंगरवाड़ा से प्रारंभ हुई तो शाम को पांच बजे गुंडीचा भवन स्वयंवरम गार्डन पहुंची। इस बीच भक्त जमकर नाचे। रथ यात्रा में महिला पुरुष, बच्चे बुजुर्ग सब्जी शामिल रहे।

रथ यात्रा का श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और उमंग से स्वागत किया और दलों ने भगवान की पूजन अर्चन की और रथ यात्रा में शामिल भक्तों के ऊपर पुष्प वर्षा की विभिन्न संस्थाओं और नगर वासियों ने जगह-जगह भंडारे का भी आयोजन किया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पहले भक्तों ने भगवान को रथ में विराजमान किया। इस दौरान ठाकुर राजा आशुतोष शर्मा ने सोने की झाड़ू लगाकर प्रभु का मार्ग साफ किया। इस अवसर पर मंदिर के अर्चक बाबाजी प्रसाद दास, समिति के अजय रथ, विश्वजीत राय उपस्थित थे। पूजन

की विधि ओडिशा के आचार्य रश्मि रंजन ने सम्पन्न कराई।

मुस्लिम समुदाय सहित अन्य संस्थाओं ने किया रथ यात्रा का स्वागत..

स्थानीय मुस्लिम समुदाय में ने भी भगवान की पूजन अर्चन कर भक्तों की अगवानी की और उन पर पुष्प वर्षा की साथ ही भंडारे का भी आयोजन कर सांप्रदायिक सद्भाव की मिसाल प्रस्तुत की। भगवान की अगवानी और भक्तों का स्वागत करने वालों में गोविंद राय परिवार, डॉ. विजय महंत, अनिल अग्रवाल, सात रास्ता काली कमेटी, मनीष परदेशी, सुंदरम अग्रवाल, सुनील थापक, नितिन सराठे, जय स्तंभ चौक पर शरीफ राइन सहित अन्य मुस्लिम समुदाय, खंडेलवाल परिवार, हलवाई चौक पर वैश्य समाज, मनीष गुप्ता, मिनर्वा टेलर्स, सराफा चौक पर काली कमेटी जुमेराती, गौशाला समिति, शर्मा परिवार के संतोष शर्मा सहित ठाकुर राजा की माताजी, कसेरा बाजार में कसेरा समुदाय के कैप्टन किशोर करैया, पंडित अखिलेश केशवरे, जगदंबा बर्तन, विधायक विजयपाल सिंह मित्रमंडल, सेठा परिवार, नूतन अग्रवाल, अग्रवाल महासभा, भारती अग्रवाल, अग्रवाल मिष्ठान भंडार, शर्मा फोटो, एनआर फैशन, सांसद दर्शन सिंह मित्र मंडल, संतन जो झोपड़ों के सामने सिंधी समुदाय और उनके पूज्य गुरुजी, माहराणा प्रताप प्रतिमा स्थल पर जीतू राठौर और करणी सेना, भाजपा महिला मोर्चा की अर्चना पुरोहित एवं उनके साथी, नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव, पूर्व विधायक सविता दीवान शर्मा, दिनेश शर्मा, हंस राय, राजस्थान मिष्ठान भंडार, नीरजा फौजदार, सुनील चौहान परिवार, धनकामेश्वरी बैंक, स्क्रीन होम परिवार सहित अनेक स्थानों पर भगवान का पुष्प मालाओं धूप आरती प्रसाद आदि से पूजन अर्चन किया गया समूची रथ यात्रा के दौरान भक्तों में अभूतपूर्व उत्साह देखा गया। रथ यात्रा में बजरंग अखाड़ा मालाखेड़ी के बल्ली यादव, वालटोली अखाड़े के उस्ताद पवन मौर्य पूरे युवकों के साथ उपस्थित रहे, उनके करतब देखकर लोगों मुग्ध हो गए।

भारतीय जीव-जंतु कल्याण बोर्ड की बैठक संपन्न

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

राम रघुवंशी सदस्य, एनीमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया एवं अध्यक्ष पशु वध गृह समिति व मत्स्य, पशुपालन व डेयरी विभाग की अध्यक्षता में भारतीय जीव-जंतु कल्याण बोर्ड की बैठक गत दिवस आयोजित हुई । जिसमें गौशाला एवं गौवश के हितार्थ चर्चा की गई, बैठक में सौजान सिंह रावत (आईएएस) मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं प्रभारी कलेक्टर, बृजेन्द्र रावत सिटी मजिस्ट्रेट, श्रीमति संपदा सराफ संयुक्त कलेक्टर / सत्कार अधिकारी, श्रीमति नीता कोरी एसडीएम नर्मदापुरम, जे.आर. हेडाऊ उपसंचालक किसान कल्याण डॉ. शैलेन्द्र नेमा उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएँ, डॉ. कीर्ति नेमा अति. उपसंचालक पशु चिकि. सेवाएँ डॉ. राजेन्द्र शर्मा सहा. संचालक, प.चि.से. डॉ. प्रियंका देशमुख सहा. संचालक, प.चि.से. उपस्थित थे। बैठक में पशुपालन विभाग की समीक्षा करते हुए वर्षा पूर्व जिले की गौशालाओं में गौवंशों के रख-रखाव के संबंध में जानकारी ली गई। जिले की गौशालाओं के लिये चरनोई भूमि पर मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप चरनोई भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराकर गौशालाओं के हितार्थ आरक्षित किये जाने की कार्यवाही की जावे। सडक पर पाये जा रहे निराश्रित गौवंश के संबंध में चर्चा करते हुए बताया गया कि ऐसे गौवंश को गौशाला में शिफ्ट करने हेतु आरटीओ एवं टोल टेक्स अथॉरिटी एवं राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है तथा यह व्यवस्था उनके द्वारा किये गये अनुबंध में शामिल है।

सिरफिरे युवक ने स्कूल की छत पर चढ़कर मचाया उत्पात, की तोड़फोड़ पुलिस ने किया गिरफ्तार

- 6 घंटे तक चलता रहा रेस्क्यू ऑपरेशन
- सिरफिरे युवक ने पांच लोगों को किया घायल

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सिवनी मालवा में गुरुवार देर शाम नगर के आचार्य चाणक्य हायर सेकेंडरी स्कूल में एक सिरफिरा युवक स्कूल भवन की चार मंजिला छत पर चढ़ गया। सनकी व्यक्ति के पास लोहे की राड, टामी और पत्थर भी थे, जिससे उसने छत पर रखी 4 पानी की टंकी व सामान में तोड़फोड़ की। इस मानसिक विक्षिप्त युवक ने छत पर जमकर उत्पाद मचाया और नीचे खड़े लोगों के ऊपर पत्थर बरसाने लगा। इसकी सूचना स्कूल प्रबंधन ने पुलिस को दी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सिरफिरे को समझाने व नीचे उतारने की पुरजोर कोशिश की लेकिन उसने छत से पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। देखते ही देखते स्कूल के पास भीड़ जमा हो गई। इस दौरान उसको पकड़ने गए लोगों पर उसने पत्थरों से हमला कर चार युवकों को घायल कर दिया वहीं

दूसरी ओर वार्ड 8 के पार्षद प्रतिनिधि को भी सर में लोहे की राड मारकर घायल कर दिया पार्षद प्रतिनिधि दीपक दीक्षित के सिर में सात टांके आए हैं जिन्हें उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रात को ही जिला अस्पताल रेफर किया गया। शाम 7 बजे से छत पर चढ़े इस युवक को आखिरकार रात लगभग 12 बजे के आसपास पुलिस और लोगों की मदद से उसे पकडा गया। वही इस पूरी घटना पर थाना प्रभारी नागेश वर्मा ने बताया कि गुरुवार की शाम को या विक्षिप्त व्यक्ति अनिल बचनिया पिता देवी उम्र 32 वर्ष निवासी जागदा तहसील कन्नौद जिला देवास का रहने वाला है जिसने बस स्टैंड के पास राजकुमार बकोरिया के साथ मारपीट करके वहां से भागा था उसके बद

इस युवक ने जमकर शराब पी और चाणक स्कूल के छत पर चढ़ कर बड़ा हंगामा किया। इसी हंगामा के दौरान मोहित मधुसूदन भिलाला उम्र 32 वर्ष दीपक दीक्षित विजय रामप्रसाद गौर सचिन मोहनलाल गौर उम्र 35 वर्ष को भी पत्थर और लोहे की टामी से घायल कर दिया पुलिस ने युवक पर अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तार करने के बाद आज उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

मोर्हरम : कानून व्यवस्था बनाये रखने दण्डाधिकारियों की लगाई ड्यूटी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मोर्हरम यात्रा के अवसर पर नर्मदापुरम शहर में विभिन्न स्थानों पर सवारी निकाली जायेगी। तत्संबंध में कार्यपालिक दण्डाधिकारी नीता कोरी ने उक्त अवसर/कार्यक्रमों के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की ड्यूटी लगाई है।

जारी आदेशानुसार कार्यपालिक दण्डाधिकारी नीता कोरी ने देवशंकर धुर्वे प्रभारी तहसील एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी (शहरी) एवं पूनम सिंह सलामे नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डा0 डोलरिया को 27 जून 2025 को अखाडे की चौकी एवं सवारी निकाली जायेगी इस अवसर पर कानून एवं शांति व्यवस्था के प्रभारी अधिकारी का दायित्व सौंपा है।

इसी प्रकार दिव्यांशु नामदेव प्रभारी तहसील0 एवं कार्य वण्डाधिकारी (ग्रामीण) एवं सुश्री स्वीटी चौहान ना0 तह0 एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी माखननगर को 30 जून 2025 को सवारियों की टिपारियां गुराल के अवसर पर कानून एवं शांति व्यवस्था के प्रभारी अधिकारी। अनिल पटेल तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी माखननगर एवं श्रीमती सृष्टि डेहरिया ना0 तह0 एवं कार्य दण्डाधिकारी (शहर) नर्मदापुरम को 01 जुलाई 2025 को सवारियों की टिपारियां गुराल के अवसर पर कानून एवं शांति व्यवस्था के प्रभारी अधिकारी। सुनील गढ़वाल प्र0 तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी डोलरिया एवं श्रीमती सुष्टि डेहरिया ना0 तह0 एवं कार्य दण्डाधिकारी (शहर) नर्मदापुरम को 02 जुलाई 2025 को तकरीर (प्रवचन) स्थान फाजिल मंजिल पर कानून एवं शांति व्यवस्था के प्रभारी अधिकारी। देवशंकर धुर्वे प्रभारी तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी (शहरी) एवं दिव्यांशु नामदेव प्रभारी तहसील एवं कार्य दण्डाधिकारी (ग्रामीण) को 03 जुलाई 2025 को सवारी निकाली जायेगी इस अवसर पर कानून एवं शांति व्यवस्था के प्रभारी अधिकारी। पूनम सिंह सलामे नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डा डोलरिया को 04 जुलाई 2025 को सवारी निकाली जायेगी इस अवसर पर कानून एवं शांति व्यवस्था के प्रभारी अधिकारी।

ईव्हीएम - वीवीपेट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण

नर्मदापुरम. भारत निर्वाचन आयोग तथा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार कलेक्टर नर्मदापुरम द्वारा जिले के मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के अध्यक्ष/प्रतिनिधियों की उपस्थिति में जिला कलेक्ट्रेट तवा भवन परिसर में स्थापित ईव्हीएम-व्हीव्हीपीएटी वेयर हाउस का माह जून, 2025 के लिये त्रैमासिक निरीक्षण गत दिवस दोपहर 04-35 बजें किया गया, जिसमें जिले के मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की ओर से प्रशांत दीक्षित, प्रतिनिधि (बीजेपी), शराजेन्द्र मालवीय, जिला अध्यक्ष (आप), धनीराम गौर (आप), अनोखेलाल राजोरिया (कांग्रेस), फैजान उलहक (कांग्रेस) एवं रामबाबू बारवे (बीएसपी) उपस्थित हुये। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी सोजान सिंह रावत एवं उपस्थित जन प्रतिनिधियों के समक्ष वेयरहाउस के कक्षों के ताले खोलकर जनप्रतिनिधियों को कक्षों का निरीक्षण कराया गया एवं कक्षों में रखी गयी ईव्हीएम मशीनों - कंट्रोल युनिट, बैलेट युनिट एवं व्हीव्हीपीटी की संख्या से अवगत कराया गया। कार्यालय मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार ईव्हीएम-व्हीव्हीपीएटी वेयरहाउस में स्थापित fire e&tinguisher चलाने का प्रशिक्षण/डेमो 26 जून 2025 को कार्यालय जिला कमांडेट होमगार्ड नर्मदापुरम के अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा दिया गया। निरीक्षण एवं प्रशिक्षण के दौरान श्रीमति संपदा सराफ, उप जिला निर्वाचन अधिकारी नर्मदापुरम, डी0पी0 धुर्वे, सहायक कोषालय अधिकारी नर्मदापुरम, श्रीमति प्रियंका मेहरा, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा नर्मदापुरम एवं नोडल अधिकारी ईव्हीएम प्रबंधन, कैलाश दुबे, निर्वाचन पर्यवेक्षक, जिला निर्वाचन कार्यालय (सामान्य) नर्मदापुरम एवं पंकज दुबे, राष्ट्रीय स्तर मास्टर ट्रेनर, जिला नर्मदापुरम उपस्थित हुए।

जल गंगा संवर्धन अभियान: पुनर्जीवित माखन नगर तालाब हुआ लबालब

नर्मदापुरम. जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में प्राचीन बावड़ी, तालाब, खेत तालाब, कूप रिचार्ज आदि जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार कर जल संरक्षण के कार्य किए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान में लुप्त प्राय एवं समाप्त हो चुकी पुरातन एवं नवीन जल संरचनाओं को श्रमदान कर एवं शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उनको पुनर्जीवत कर उन जल संरचनाओं को उपयोगी बनाया जा रहा है। उन्हें पुनः नवीन कर जीवन प्रदान करने का कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में माख न नगर के नसीराबाद रोड पर स्थित प्राचीन माखन नगर तालाब के पुनर्जीवन का कार्य किया गया है। अमृत -2 योजना के तहत 43 लाख रुपए की राशि से निर्मित माखन नगर तालाब अब पानी से भरा रहता है यहां अव पक्षियों का शोर सुनाई देता है और तालाब के पुनर्जीवन से आसपास के क्षेत्र का जलस्तर भी बढ़ गया है। नगर पालिका अधिकारी माखन नगर ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत माखन नगर तालाब में पिचिंग एवं पाथवे का निर्माण कार्य किया गया है। लाइटिंग भी लगाई गई है जिससे रात्रि में तालाब का अद्भुभुत दृश्य दिखाई पड़ता है। अब तालाब में लबालब पानी भरा हुआ है। इससे आसपास के पक्षी आकर कलरव भी कर रहे हैं। नपा ने बताया कि वाटर लेवल बढ़ाने के लिए गंदगी, कचरे को तथा जलकुंभी को निकाला गया और पुनर्जीवन का कार्य किया गया है।

मेट्रो एंकर मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के द्वारा क्विज में विजय प्रतिभागियों के लिए आकर्षक उपहार.

मध्य प्रदेश पर्यटन क्विज - 2025 : 'बूझो जानो फिर देखो अपना प्रदेश'

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा प्रदेश के बच्चों में प्रतियोगिता के माध्यम से प्रदेश के समृद्धशाली इतिहास, परम्पराओं, ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक रंगो, कला, प्राकृतिक समृद्धि, महापुरूषों, पर्यटन महत्व की संभावनाओं आदि से परिचित कराने तथा पर्यटन के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया को विकसित करने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा वर्ष 2016, 2017, 2018, 2019, 2022, 2023 एवं 2024 में आयोजित की जाती रही है। विगत वर्ष 2024 में इस प्रतियोगिता में लगभग 21000 से अधिक छात्र-छात्राओं द्वारा सहभागिता की गई थी।

इस वर्ष भी ''मध्य प्रदेश पर्यटन क्विज - 2025'' का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के शासकीय, अशासकीय, सी.बी.एस.ई. एवं केन्द्रीय विद्यालयों में कक्षा 9 से 12वीं तक के अध्ययनरत छात्र-छात्राऐं भाग ले सकेगें।

क्विज के प्रथम चरण में जिला स्तर के लिए पंजीयन 25 जून, 2025 से 18 जुलाई, 2025 तक किए जाएंगे। मध्य प्रदेश पर्यटन

क्विज - 2025 जिला स्तर पर 01 अगस्त, 2025 को आयोजित होगी। जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन जिला कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, जिला स्तर पर पर्यटन हेतु प्रमोशन/संबर्धन हेतु गठित परिषद जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (डीएटीसीसी), जिला शिक्षा अधिकारी एवं शिक्षा विभाग के क्विज मास्टर के सहयोग/समन्वय से होगा। जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में विद्यार्थियों का पंजीयन विद्यालयों द्वारा ऑनलाईन कराया जा सकेगा।

प्रतियोगिता हेतु क्विज के दोनों चरण हेतु प्रश्न म.प्र. के पर्यटन एवं पर्यटन से संबंधित परिक्षेत्र, कला, संवर्धन, अध्यात्म, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक परिवेश से संबंधित होगें। जिला स्तर के प्रथम चरण में चयनित 06 टीमों के मध्य प्रतियोगिता का द्वितीय चरण आडियो विजुअल/मल्टीमिडिया पर आधारित होगा, जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी विद्यालय को राज्य स्तरीय पर्यटन क्विज में सहभागिता करेगा। करता है।

प्रत्येक जिले की विजेता एवं उपविजेता टीमों को मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम के होटलों में ठहरने हेतु कूपन प्रदाय किया जावेगा। संबधित पर्यटन स्थल तक आना-जाना, भोजन, रूकना, स्थानीय भ्रमण आदि का व्यय मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड वहन् करता है।

चांदी के रथ पर भक्तों को दर्शन देने निकले जगदीश स्वामी, पूजा-अर्चना और रथ खींचने श्रद्धालु उमड़े

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शुक्रवार को जगन्नाथ रथ यात्रा भक्ति भाव उत्साह के साथ निकली बैंड बाजे के साथ भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा जी चांदी के भव्य रथों पर सवार होकर नगर वासियों दर्शन देने के लिएं श्री राम लला सरकार मंदिर में पूजा अर्चना के बाद लिए निकले भगवान जगन्नाथ स्वामी के रथ को अपने हाथों से खींचने का विशेष महत्वत बताया गया इसके चलते भगवान जगन्नाथ स्वामी जी के रथ को हाथों से खींचने के लिए श्रद्धालु में गजब का उत्साह देखने को मिला भगवान के दर्शन करने और पूजा अर्चना और आरती करने के लिए भी श्रद्धालु पूजन सामग्री लेकर जगह-जगह खड़े हुए थे। क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा भी बाजार में जगदीश स्वामी की यात्रा में सम्मिलित हुए रथ को अपने हाथों से खींचा और पूजा अर्चना की नगर के मुख्य मार्गो से रथ यात्रा निकाली इससे पहले श्री रामदास सरकार मंदिर पर विशेष पूजा और शादी का वितरण किया

गया विशेष रूप से पिछले साल चांदी का रथ मंदिर समिति ने जन सहयोग से तैयार किया है इसमें भगवान विराजमान होकर निकले उनकी एक झलक पाने के भक्तों में उत्साह नजर आ रहा था बाजार में भारी भीड़ टी लोग घरों की चो पर से भी भगवान के दर्शन कर रहे थे। जगन्नाथ पुरी में भगवान जगदीश स्वामी की यात्रा निकलती हैं उसी तरह में नगर में भी सालों से रथ यात्रा निकलती आ रही है। पिछले कई दिनों से यात्रा की तैयारी की जा रही थी प्रशासन के द्वारा भी सुरक्षा को लेकर विशेष अंजाम किए गए थे बिजली के तारों को हटाने के लिए भी एक व्यक्ति चल रहा था वरिष्ठ जन हाथों में ध्वजा पताका लेकर आगे चल रहे थे पूरा नगर भक्ति में नजर आ रहा था ।

जगह-जगह हुआ स्वागत

भगवान जगदीश स्वामी की पूजा अर्चना करने के लिए भक्तों में भी भारी वर्षा देखने को मिला पग पग पर पूजन सामग्री लेकर भगवान की पुजार चुनाव आरती करने के लिए अतुनजर आ रहे थे तरह-तरह के व्यंजन और फलों को भगवान को अर्पित करके रथ को खींचने के लिए उत्साहित दिखाई दे रहे थे प्राचीन काल से मानता है कि जगन्नाथ स्वामी के रथ को अपने हाथों से खींचने से भगवान की विशेष कृपा होती है। दूसरी और पिछले साल चांदी के रथ में भगवान जगदीश स्वामी यात्रा निकालने का निर्णय किया था वहां भी भगवान की कृपा से पूर्ण हुई । चांदी का रथ तैयार करने के लिए समिति को काफी प्रयास जरूर करने पड़े पर भगवान जी का काज भक्ति भाव से किया जाए तो वहां पूर्ण भी होता है।अब चांदी के रथ सवार होकर जगदीश स्वामी में भक्तों को स्वयं दर्शन देने पहुंचे।

रान नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, व्यापार महासंघ अध्यक्ष पदम ताम्रकार, विधायक प्रतिनिधि रमेश यादव जन भागीदारी समिति अध्यक्ष शिवकुमार भार्गव सजय सोनी, सुमंत मित्तल, हरिचरण अहिरवार,प्रभात सोनी, नगर पालिका सीएमओ राम प्रकाश साहू आदि मौजूद थे।

जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक संपन्न

भिक्षावृत्ति करने वाले बच्चों का स्कूलों में एडमिशन कराए जाएं : कलेक्टर

मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना में पात्र बच्चों को चिन्हित कर लाभ दिलाया जाना सुनिश्चित करें

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में आज जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई थी। कलेक्टर श्री गुप्ता ने बैठक के एजेंडा बिंदुओं पर गहन समीक्षा करते हुए उक्त सभी बिंदुओं पर महिला एवं बाल विकास विभाग एवं समिति के अन्य सदस्य गणों द्वारा गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने बैठक में नशा मुक्ति के लिए किये जा रहे कार्यों के संबंध में चर्चा की। नशा मुक्ति के लिए संदेशों का प्रसारण सहित विविध प्रकार की गतिविधियों, कार्यशालाओं इत्यादि के संबंध में दिशा-निर्देश दिए। साथ ही साथ उन्होंने बालिका संप्रेक्षण गृह में रहने वाली

बच्चियों के लिए गुणवत्ता पूर्ण भोजन, ठहरने की व्यवस्था तथा स्वास्थ्य परीक्षण कराने सहित तमाम बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति के संबंध में भी निर्देशित किया है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना तहत संपादित किये जा रहे कार्यों की भी गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पात्र बच्चे इस योजना का लाभ लेने से वंचित ना रहे इसके लिए जिन भी बच्चों के माता-पिता नहीं है उन बच्चों को चिन्हित कर इस योजना का लाभ दिलाया जाए। इस संबंध में उन्होंने खेल विभाग, शिक्षा विभाग और आईटीआई के अधिकारियों को भी निर्देशित किया है कि उनके विभाग में दर्ज ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता नहीं है उन्हें चिन्हित कर बाल आशीर्वाद योजना का लाभ दिल जाना सुनिश्चित करें। इसके अलावा उन्होंने कहा कि जो बच्चे 18 प्लस हो गए हैं उनको चिन्हित कर रोजगार स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से उनका आईटीआई में प्रवेश दिलाया जाना भी आवश्यक है के कार्यों पर भी विशेष बल दिया है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने भिक्षावृत्ति करने वाले बच्चों के संबंध में कहा कि इन बच्चों का आधार, सामग्र इत्यादि अवश्य रूप से बनवाया जाए और स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों से संबंध स्थापित कर इन बच्चों का स्कूल में एडमिशन कराएं। साथ ही साथ उन्होंने बच्चों को प्रतिवर्ष चार से पांच जोड़ी कपड़े जूते सहित शैक्षणिक सामग्री इत्यादि जन सहयोग व सामाजिक संगठनों की मदद से उपलब्ध कराया जाए। इसके लिए सामाजिक संगठन भी आगे आएं के बिंदु पर चर्चा की।

इस बैठक में वन स्टॉप सेंटर जिला निगरानी समिति के कार्यों की भी समीक्षा की गई। जिसमें वन स्टॉप सेंटर में आने वाले प्रकरणों के निराकरण से अवगत कराया गया। कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्देश दिए हैं कि वन स्टॉप सेंटर में सहायता प्राप्त करने पहुंचने वाली महिलाओं का आयुष्मान कार्ड अवश्य बने इसके लिए भी पहल करें। साथ ही साथ घरेलू हिंसा सहित अन्य प्रकार की हिंसाओं की रोकथाम के लिए स्कूल कॉलेजों में भी जागरूकता फैलाई जाए।

कलेक्ट्रेट के बेतवा सभा कक्ष में आयोजित इस बैठक में जिन एजेंडा बिंदुओं पर चर्चा की गई उनमें किशोर न्याय बोर्ड की त्रैमासिक प्रगति। बाल कल्याण समिति विदिशा की त्रैमासिक प्रगति। बालिका सम्प्रेक्षण गृह की त्रैमासिक प्रगति एवं सांस्कृतिक गतिविधियां। अशासकीय शिशुगृह विदिशा की त्रैमासिक प्रगति। फॉस्टर केयर, स्पान्सरशिप योजना बाल आर्शीवाद, बाल कोविड-19 एवं पीएम केयर योजना की प्रगति। उचित सुविधा तंत्र। बाल भिक्षावृत्ति एवं सड़क पर कचरा पन्नी बीनने वाले बच्चों की समीक्षा। पॉक्सो प्रकरण की जानकारी। ऑफ्टर केयर जानकारी। घर पोर्टल जानकारी एवं चाइल्ड लाइन संचालन के संबंध में चर्चा शामिल रही।

बैठक में जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओ श्री पंकज जैन, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शशि मिश्रा, नगर पुलिस अधीक्षक श्री अतुल कुमार सिंह, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा (कांस्बा) सहित सीडीपीओ और समिति के अन्य सदस्य गण मौजूद रहे।

जिले में 1038051 हितग्राहियों का ई- केवाईसी हुआ अपडेट

सिरोंज। विदिशा खाद्य सुरक्षा योजना से लाभान्वित सभी हितग्राहियों के ई केवाईसी अपडेशन का कार्य लगातार किया जा रहा है। इस संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी अनिल तंतुवाय ने बताया कि जिले में खाद्य सुरक्षा योजना से लाभान्वित परिवारों के 11 लाख छह हजार 930 सदस्य राशन मित्र पोर्टल पर दर्ज हैं। इनमें से जो अपात्र तथा मृत हितग्राहियों के नाम एम राशन मित्र पोर्टल से हटाने की कार्यवाही ग्राम पंचायतों तथा नगरीय निकायों द्वारा की जा रही है। अब तक 1035051 सदस्यों की ई-केवाईसी अपडेशन का कार्य किया जा चुका है। शेष बचे 68879 हितग्राहियों की ई - केवाईसी अपडेशन का कार्य 30 जून तक पूरा कर लिया जाएगा। ई-केवाईसी कराने के लिए उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन पीओएस मशीन के माध्यम से हितग्राहियों का ई केवाईसी अपडेट कर रहे हैं। ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक और नगरीय क्षेत्रों में वार्ड प्रभारी भी ई केवाईसी अपडेट कर रहे हैं। एप के माध्यम से हितग्राही को स्वयं ई केवाईसी दर्ज कराने की भी सुविधा दी गई है। इसके अलावा कॉमन सर्विस सेंटर तथा मोबाइल ऐप में भी ई केवाईसी अपडेशन की सुविधा उपलब्ध है।

जिला आपूर्ति अधिकारी श्री तंतुवाय ने बताया कि 27 जून तक जिले में 1038051 हितग्राहियों की ई केवाईसी की जा चुकी है। यह कुल हितग्राहियों का 93.78 प्रतिशत है।

मेला में वाहनो का औचक निरीक्षण

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता के द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुपालन में मानोरा मेला में सम्मिलित होने वाले श्रद्धालुगणो को आने जाने के संसाधनो में किसी भी प्रकार की त्रुटि ना हो का विशेष ध्यान रखा जाए। एक भी ऐसी बस मार्ग पर संचालित ना हो जो परिवहन नियमो के तहत अनफिट है। कलेक्टर श्री गुप्ता के द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुपालन में जिला परिवहन अधिकारी श्री गिरजेश वर्मा के द्वारा शुक्रवार को मानोरा मेला मार्ग पर चलने वाले वाहनो का औचक निरीक्षण किया गया है। इस कार्यवाही के दौरान छह वाहन नियम विरूद्ध चलते पाए जाने पर उनके विरूद्ध चालानी कार्यवाही की गई। जिनमें से चार वाहनो से शमन शुल्क 31650 रूपए वसूला गया है जबकि शेष दो वाहन निराकरण की प्रत्यांशा में जप्त कर जिला परिवहन कार्यालय परिसर में सुरक्षार्थ हेतु रखे गए है। एक यात्री बस की फिटनेस की स्थिति सहीं नहीं पाए जाने पर उसका फिटनेश प्रमाण पत्र निरस्त किया गया है। जिला परिवहन अधिकारी श्री वर्मा ने बताया कि मानोरा मेला में यात्रियो को परिवहन करने वाले यात्री वाहन तथा लोड़िग वाहनो में यात्रियों को बैठाकर ले जाने वाहनो की भी जांच की गई है वहीं यात्री बसो में ओवर लोड़िग सवारी ना बैठाने तथा निर्धारित किराया ही लेने के निर्देश संबंधित बस चालको को मौके पर दिए गए है।

कलेक्टर की पहल : 90 वर्षीय गेंदाबाई को श्री हरिवृद्धाश्रम का सहारा मिला

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता के संज्ञान में लाया गया कि नटेरन की 90 वर्षीय गेंदाबाई अत्यन्त दयनीय स्थिति में है उनके पुत्र छोड़कर चले गए है। वयोवृद्ध गेंदाबाई की देखभाल करने वाले पड़ोसियों ने मदद हेतु कलेक्टर से सम्पर्क किया था। कलेक्टर श्री गुप्ता ने वस्तुस्थिति को त्वरित संज्ञान में लेते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को अविलम्ब ग्राम नटेरन भेजा और श्रीमती गेंदाबाई पति श्री मौजीलाल को विदिशा जिला मुख्यालय के श्री हरिवृद्धाश्रम में रखवाने के प्रबंध सुनिश्चित करवाए गए है।

शिकायतो के निराकरणो पर विशेष ध्यान दें अधिकारी : कलेक्टर

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने सीएम हेल्पलाइन के तहत सौ दिवस से अधिक की लंबित शिकायतो के निराकरणो पर विशेष ध्यान देने के निर्देश संबंधित विभागो के अधिकारियों को प्रसारित किए है। उन्होंने कहा है कि आवेदन को सौ दिन हो जाने के बावजूद विभाग के द्वारा निराकरण के लिए कारगर पहल नहीं करना उनकी शासकीय कार्यो के प्रति लापरवाही प्रदर्शित हो रही है। सौ दिवस से अधिक लंबित शिकायतो की सूचियां संबंधित विभागो के जिलाधिकारियों को उपलब्ध कराई गई है उक्त शिकायतो का समाधान आगामी तीन दिवसो में शत प्रतिशत कराया जाना सुनिश्चित करे। ऐसे आवेदन जिनका निराकरण जिला स्तर पर संभव नहीं है उन कारणो को रेखांकित करते हुए विभाग प्रमुख के संज्ञान में अविलम्ब लाएं ताकि विभाग प्रमुख के द्वारा निराकरण के संबंध में सापेक्षित कार्यवाही अविलम्ब संपादित की जा सकें। गौरतलब हो कि सौ दिवस से लंबित समाधान के अंतर्गत जिले में कुल 4964 आवेदन लंबित हैं अब तक 28.26 प्रतिशत शिकायतो का निराकरण किया गया है वहीं नवीन प्राप्त शिकायतो सहित कुल शिकायतो की संख्या 5278 हो गई है। अतः विभागो के जिलाधिकारी इन शिकायतो के निराकरणो पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने स्पेशल क्लोज और आंशिक बंद करने की कार्यवाही स्पष्ट कारणो को रेखांकित करते हुए संपादित की जाए।

98 कर्मचारी सेवानिवृत्त होंगे तीन माह में

सिरोंज। विदिशा जिला पेंशन अधिकारी रूपेन्द्र सिंह मरावी ने बताया कि विदिशा जिले में सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी, कर्मचारियों के सम्मान में प्रत्येक माह की दस तारीख को कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार कक्ष में कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। उन्होंने बताया कि जून, जुलाई, अगस्त में कुल 98 जिले में पदस्थ शासकीय सेवक सेवानिवृत्त होंगे जिसमें जून माह में 29, जुलाई में 42 और अगस्त माह में 27 कर्मचारी सेवानिवृत्त होंगे। जिला पेंशन अधिकारी ने सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी, कर्मचारियों की तमाम दावो का भुगतान सेवानिवृत्त तिथि को प्रदाय किया जाए इसके लिए विभागीय अधिकारियों को पत्र प्रेषित कर सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की छह माह पूर्व जानकारियां मांगी गई हैं ताकि दावो से संबंधित आपत्तियों का निराकरण सेवानिवृत्ति तिथि के पूर्व किया जा सके।

पॉलिटेक्निक में विभिन्न कोर्सों में काउंसलिंग के लिए पंजीयन 5 से

सिरोंज। विदिशा सिरोंज शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में संस्था स्तर की काउंसलिंग के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए लेटरल एंट्री के माध्यम से 2 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। जिन विद्यार्थियों ने आईटीआई या 12वीं कक्षा गणित, भौतिकी एवं रसायन विषयों के साथ उत्तीर्ण की है पाठ्यक्रम के लिए ऑनलाइन पंजीयन पांच जुलाई से 13 अगस्त तक कर सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया 16 जुलाई से 14 अगस्त तक होगी। 10वीं कक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीयन 13 अगस्त तक होंगे। इस कोर्स में प्रवेश की प्रक्रिया दो जुलाई से 14 अगस्त तक जारी रहेगी। संस्था प्राचार्य ने सभी पात्र अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथियों में ऑनलाइन पंजीयन कर आवश्यक दस्तावेजों सहित संस्था में उपस्थित होकर प्रवेश सुनिश्चित करें। और अधिक जानकारी के लिए 8982897470, 8319034281 इन नंबरों पर संपर्क कर सकते है।

दो पक्षों के बीच हुआ विवाद, महिलाओं पर किया गया जानलेवा हमला

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा जिले की तहसील लटेरी के उनारसी कला क्षेत्र के ग्राम नारायणपुरा का मामला है जहां गुर्जर व अहिरवार समाज के बीच जमीन को लेकर विवाद हो गया जिसमें दर्जनों लोग घायल होना बताए जा रहे हैं खेत में खूनी संघर्ष हुआ घायलों के सिर हाथ पैर कमर पीठ पर गहरे जख्म देखने को मिले हैं आपको बता दे देश में नारी शक्ति कही जाने वाली महिलाओं पर लाठी डंडों से हमला किया गया घायलों को शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां घायलों का उपचार किया जा रहा है घायलों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है जिसमें महिलाओं को हाथ पैर में फैक्चर बताया गया है मौके पर पुलिस पहुंची प्रकरण पंजीबदकर जांच मे लिया।

थाना उनारसीकला क्षेत्र अंतर्गत में दो पक्षों के बीच सरकारी जमीन को लेकर हुए विवाद पर पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई है। प्रकरण में पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर विधिसम्मत कार्यवाही जारी है। अफवाहों से बचें, शांति बनाए रखें। किसी भी जानकारी हेतु नजदीकी थाना या Dial 100 पर संपर्क करें।

हिट एंड रन के प्रकरणों की कमी वेश जानकारी शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने हिट एंड रन के प्रकरणों में प्रदाय प्रतिकार राशि पीड़ितों को शीघ्र मिले की व्यवस्था क्रियान्वित करने के निर्देश प्रसारित किए गए हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने संबंधितो से कहा है कि ऐसे प्रकरण जिनमें चाही गई जानकारियां पूरी नहीं है प्रकरणों की कमी वेश जानकारी की शीघ्र पूर्ति कराना सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर श्री गुप्ता ने हिट एंड रन दुर्घटना में पीडितों को तत्परता से प्रतिकार की राशि के वितरण हेतु उक्त योजना के संबंध में प्रक्रिया एवं आवश्यक प्रपत्रों आदि की जानकारी का उल्लेख करते हुए प्रकरणों को जांच दावा अधिकारी द्वारा अविलंब प्रेषित किए जाने हेतु कार्यालय के माध्यम से जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारियों तथा तहसीलदार ,जांच दावा अधिकारियों को लेख किया गया है। जिले के पांच प्रकरणों में हिट एंड रन दुर्घटना पीड़ित प्रतिकर योजना के लंबित प्रकरणों की उपरोक्त अनुसार जानकारी प्रेषित कर अनुरोध किया गया है।

मूलभूत सुविधाओं के अभाव में आमरण अनशन की दी चेतावनी पांच साल से लगातार हो रही मांग

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर तेंदूखेड़ा के लगभग हर वार्डो में लोग मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे हैं जिन अधिकारी एवम जनप्रतिनिधि इस ओर ध्यान नही दे रहे हैं।तेंदूखेड़ा के वार्ड नम्बर 12 मस्जिद के आगे वाली बस्ती में भी वर्षो से मूलभूत सुविधाओं का अभाव है जिससे आम जनजीवन अस्त ब्यस्त है।इस सब सुबिधाओं की मांग पूरी ना होने के कारण वार्ड12 के निवासी लक्ष्मण रैकवार ने आज अनुविभागीय अधिकारी तेंदूखेड़ा एवं मुख्य नगर परिषद अधिकारी तेंदूखेड़ा को एक लिखित आवेदन के माध्यम से यह चेतावनी दी कि अगर14जुलाई तक हमारी बस्ती में मूलभूत सुबिधाये नही दी जाती है तो15 जुलाई को लक्ष्मण रैकवार के द्वारा तारादेही तिगड्डे पर आमरण अनशन किया जाएगा।लक्ष्मण रैकवार ने बताया है कि इस बस्ती में लगभग16-17परिवार रहते हैं इसमे ना सड़क है ना नाली है ना बिजली है। हमारे घरों के ऊपर हाईटेंशन लाइन झूल रही है जो कभी भी गिर सकती है लोग करंट की चपेट में आ सकते हैं।सड़क ना होने से वारिश में कीचड़ रहता है जिससे आने जाने में परेशानी होती है।नाली ना होने से सभी के घरों से सेप्टिक टैंक का ओवर फ्लो रास्ते मे हीं निकला है जिससे हमेशा दुर्गंध आती रहती है और गम्भीर बीमारी फैलने का खतरा बना रहता है।बिजलि का खम्भा300मीटर दूर है इसलिये बिजली लाइन खीचने में भी दिक्कत है।इन सब समस्याओ के लिये पांच सालों में कई दर्जन आवेदन दे चुके हैं और कई बार181 पर भी शिकायते लग चुकी है।लक्ष्मण रैकवार ने बताया है कि वार्ड 11में परिषद ने सड़क बनाई जहाँ पर कोई नही रहता है सड़क इसलिये बनाई गई है ताकि खाली जमीन मंहगे दामो में बिक सके यह सड़क नगर परिषद एवं भूमि स्वामी की मिलीभगत से बनाई गई है।

मेट्रो एंकर बाईपास में लगे संकित बोर्ड दे रहे हैं दुर्घटना को दावत

वाहन चालक हो रहे परेशान ,जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

जिम्मेदारी अधिकारियों की अनदेखी के कारण किसी दिन बाईपास मार्गों पर बड़ा हादसा हो सकता है गर्तव्य की जानकारी देने के लिए लगाए गए बोर्ड क्षतिग्रस्त होकर लटके हुए किसी भी देने तेज हवा चलने पर गिर जाएंगे तो उसे दिन बड़ा हादसा भी हो सकता है शायद जिम्मेदार हादसा होने का इंतजार कर रहे हैं तभी तो इनको बदलवाने और ठीक करवाने के लिए ध्यान नहीं दे रहा है। वहीं अधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों का भी इन्हीं मार्गो से कई बार आना जाना होता है । इन्होंने भी इसकी चिंता नहीं है।

मार्ग पर विभिन्न स्थान को आने जाने की सूचना प्रदान करने के लिए लगे हैं सांकेतिक बोर्ड 2 महीने से क्षतिग्रस्त पड़ हुए हैं ना तो उनकी मरम्मत कराई गई और ना ही उनकी जगह पर दूसरे बोर्ड लगवाने कार्य सड़क परिवहन विभाग के द्वारा किया जा रहा है जिम्मेदारी में तो इस पर ध्यान देना ही अभी तक उचित नहीं समझा है इस कारण से बायपास मार्ग से भोपाल, इंदौर गुना, बीना ,आरोन, विदिशा, बासौदा ,लटेरी ब्यावरा आदि जाने की जानकारी प्राप्त नहीं होने से बाहर के वाहन चालकों सबसे ज़्यादा परेशानी हो रहे हैं कई वाहन चालक शहर में आ जाते हैं इसके बारे में कोई यहां से पूछना पड़ता है किलोमीटर के बारे में भी पता नहीं चल पा रहा है यह प्रशासन की बहुत बड़ी लापरवाही है तत्काल इस समस्या का समाधान करवाने के लिए अधिकारियों को कदम उठाने चाहिए जिससे कि वाहन चालकों को राहत मिले टूटे हुए बोर्डों के कारण किसी भी बड़ी जनहानि भी हो सकती है।

दो होनहार क्रिकेटरों के गुमनाम होने की कहानी, क्या करते हैं आजकल दोनों

पृथ्वी शॉ और उन्मुक्त चंद की हुई थी धाकड़ शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी

कहानी... दो उन भारतीय क्रि केटरों की, जिन्होंने अपनी कप्तानी में भारतीय टीम को अंडर-19 वर्ल्ड कप जिताया। फिर दिग्गज क्रिकेटर्स से उनकी तुलना की जाने लगी, मगर समय के साथ-साथ दोनों का प्रदर्शन फीका होता चला गया। एक ने तो भारतीय टीम के लिए इंटरनेशनल डेब्यू भी किया, लेकिन ज्यादा मैच खेल नहीं पाए। वहीं दूसरे को इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने का मौका नहीं मिला, तो बाहरी देश का रुख किया।

बात हो रही है पृथ्वी शॉ और उन्मुक्त चंद की। एक समय था, जब इन दोनों खिलाड़ियों के नाम पर हजारों युवाओं ने क्रिकेटर बनने का सपना बुन लिया था। लेकिन जिन्हें वो आइडल मानने चले थे, वो एक तरह से गुमनामी में चले गए। क्रिकेट में केवल टैलेंट नहीं।।।अनुशासन, निरंतरता और मानसिक मजबूती भी मायने रखता है। ये तीनों चीजें एक साथ शायद उन्मुक्त और पृथ्वी में देखने को नहीं मिली। बात पहले उन्मुक्त चंद की करते हैं। जब साल 2012 के अंडर-19 वर्ल्ड कप में उन्मुक्त चंद ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खिताबी मुकाबले में नाबाद शतक (111 *) जड़ा, तो ऐसा लगा जैसे टीम इंडिया को भविष्य का एक और बड़ा सितारा मिल गया हो। उन्हें टीम इंडिया का फ्यूचर कैप्टन कहा जाने लगा, लेकिन कप्तानी तो दूर वो सीनियर टीम में भी कभी जगह नहीं बना सके। इसके पीछे की वजह उन्मुक्त चंद का घरेलू क्रिकेट में साधारण प्रदर्शन रहा। घरेलू क्रिकेट में दिल्ली के लिए उन्मुक्त आठ साल खेले और वो इस दौरान दिल्ली के कप्तान भी बने। फिर उन्होंने उत्तराखंड का रुख किया, जहां उनका प्रदर्शन एवरेज ही रहा। 67 फर्स्ट क्लास मैचों में उनका बैटिंग एवरेज 31।57 रहा, जो रेड-बॉल क्रिकेट के लिहाज से सही नहीं माना जा सकता। उन्मुक्त घरेलू क्रिकेट के अलावा इंडियन प्रीमियर लीग में भी कुछ खास नहीं कर पाए। आईपीएल में उन्मुक्त ने 21 मैच खेलकर 15 के एवरेज से सिर्फ 300 रन बनाए। उन्मुक्त ने आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स , राजस्थान रॉयल्स और मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व किया। चयनकर्ताओं की बेरुखी ने भी उन्मुक्त चंद के क्रिकेट करियर को पटरी से उतारने में अहम भूमिका निभाई। जब टीम इंडिया के लिए उन्मुक्त के दरवाजे पूरी तरह बंद हो गए, तो उन्होंने अगस्त 2021 में भारतीय क्रिकेट से संन्यास लेकर संयुक्त राज्य अमेरिका का रुख किया। 32 साल के उन्मुक्त को अब तक यूएसए के लिए अपना डेब्यू करने का मौका नहीं मिला है, लेकिन वो लगातार क्रिकेट खेल रहे हैं।

किस्मत को कुछ और था मंजूर

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने तो पृथ्वी को अगले सचिन तेंदुलकर के तौर पर एक वीडियो में भी नामित तक कर दिया। तब ऐसा लगने लगा था कि पृथ्वी इंटरनेशनल क्रिकेट में रनों का अंबार लगाएंगे। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। पृथ्वी ने भारतीय टीम के लिए अपना आखिरी मैच 25 जुलाई 2021 को कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ खेला। वो पृथ्वी का टी20 इंटरनेशनल में डेब्यू मुकाबला भी रहा, जिसमें वो खाता तक नहीं खोल पाए थे। उस मुकाबले के बाद उन्हें भारत के लिए खेलने का मौका नहीं मिला। पृथ्वी के लिए टीम इंडिया तो अब दूर की बात रही, वो घरेलू क्रिकेट भी ठीक से नहीं खेल पा रहे। रणजी ट्रॉफी के पिछले सीजन में पृथ्वी शॉ मुंबई की टीम से आउट कर दिए गए थे। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह उनकी खराब फिटनेस बनी। हालांकि पृथ्वी को मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024-25 के लिए टीम में जगह मिली, लेकिन विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 के लिए उनका सेलेक्शन नहीं हुआ। यही नहीं आईपीएल 2025 का भी पृथ्वी हिस्सा नहीं बन पाए क्योंकि मेगा नीलामी में वो अनसोल्ड रहे थे।

पृथ्वी शॉ का विवादों से जुड़ता रहा नाता

पृथ्वी शॉ का विवादों से भी नाता जुड़ता रहा है। साल 2019 में डोपिंग के चलते भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने पृथ्वी पर 8 महीने का बैन लगा दिया था। पृथ्वी को लेकर इस तरह की भी खबरें भी सामने आईं कि उनका ड्रेसिंग रूम में व्यवहार बेहतर नहीं था। कोरोनाकाल के दौरान उनपर नियमों के उल्लंघन का भी आरोप लगा था क्योंकि वो बगैर ई-पास के छुट्टियां मनाने के लिए गोवा निकल पड़े थे। साल 2023 में पृथ्वी का सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सपना गिल और उनके दोस्तों से झगड़ा हो गया था। यह मामला अदालत तक पहुंच गया था और अब भी पूरी तरह सुलझा नहीं है। भारतीय टीम के लिए पृथ्वी शॉ ने अब तक 5 टेस्ट, छह वनडे और एक टी20 मुकाबला खेला है। इस दौरान उन्होंने टेस्ट मैचों में 339 और वनडे इंटरनेशनल में 189 रन बनाए हैं। पृथ्वी कुछ समय पहले मुंबई टी20 लीग में नॉर्थ मुंबई पैंथर्स के लिए खेलते नजर आए थे। अब वो आगामी घरेलू सीजन की तैयारियों में जुटेंगे। वैसे भी पृथ्वी अगले घरेलू सीजन में मुंबई को छोड़कर किसी दूसरे राज्य संघ के लिए खेलना चाहते हैं, ताकि अपने क्रिकेट करियर को नया आयाम दे सकें। इसके लिए उन्होंने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन एसोसिएशन से अनापत्ति प्रमाण पत्र देने की गुजारिश की है। अब देखना होगा कि टीम बदलने पर पृथ्वी की किस्मत बदलती है या नहीं।।

आईसीसी ने क्रिकेट के 6 नियमों में किए बदलाव

टेस्ट में 60 सेकेंड में ओवर शुरू करना होगा, दो वॉर्निंग के बाद 5 रन कटेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने हाल ही में पुरुष क्रिकेट के 6 नियम बदले हैं, ताकि खेल को ज्यादा तेज, निष्पक्ष और रोचक बनाया जा सके। टेस्ट क्रिकेट में ये नियम नई वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (2025-27) के लिए लागू हो चुके हैं। वहीं, सीमित ओवर (वनडे और टी-20) फॉर्मेट में ये नियम 2 जुलाई 2025 से प्रभावी होंगे।

1. **टेस्ट क्रिकेट में स्टॉप क्लॉक नियम** आईसीसी ने टेस्ट क्रिकेट में अब स्टॉप क्लॉक नियम लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत फील्डिंग टीम ओवर शुरू करने में 60 सेकेंड से अधिक देर करती है तो उसे दो बार वॉर्निंग दी जाएगी। इसके बाद भी अगर यह नियम टूटा तो पेनल्टी के तौर पर उसके 5 रन काट लिए जाएंगे। टी-20 और वनडे क्रिकेट में यह नियम एक साल पहले ही लागू हो चुका है।
2. **शॉर्ट रन पर जुर्माना-** आईसीसी ने तीनों फॉर्मेट के लिए शॉर्ट रन का नियम भी बदला है। जानबूझकर शॉर्ट रन लेने पर पहले 5 रन का जुमार्ना लगता था। अब अगर बल्लेबाज एक्स्ट्रा रन चुराने के लिए जानबूझकर रन पूरा नहीं करता तो अंपायर फील्डिंग टीम से पूछेंगे कि वे पिच पर मौजूद दोनों में से किस बल्लेबाज को स्ट्राइक पर चाहते हैं।
3. गलती से सलाइवा लगाई तो गेंद नहीं बदलेगी गेंद पर सलाइवा (लार) लगाने पर बैन जारी रहेगा। हालांकि, गलती से सलाइवा लगाने पर बॉल बदलना अनिवार्य नहीं होगा। अंपायर सिर्फ तभी गेंद बदलेंगे, जब उसकी स्थिति में भारी बदलाव हो, जैसे कि गेंद बहुत गीली हो या उसमें एक्स्ट्रा चमक हो। यह फैसला अंपायर के विवेक पर निर्भर होगा।
4. **कैच रिव्यू में छइह की भी जांच होगी -** आईसीसी ने कैच का नियम भी बदला है। अगर कैच आउट रीव्यू में गलत साबित होता है, लेकिन गेंद पैड पर लगी हो तो टीवी अंपायर एलबीडब्ल्यू की भी जांच करेंगे। अगर बैटर एलबीडब्ल्यू आउट है तो उसे आउट दे दिया जाएगा। यह नियम भी तीनों फॉर्मेट के लिए है।
5. **नोबॉल पर कैच -**सॉफ्ट सिग्नल (अंपायर का लिया रिव्यू) लिया गया है और नो बॉल पर कैच पर सही है तो बल्लेबाजी टीम को नो-बॉल का एक रन एक्स्ट्रा मिलेगा। कैच सही नहीं है तो नो बॉल का एक रन और दौड़कर बनाए गए रन भी मिलेंगे। पहले कैच के डाउट होने पर फील्ड अंपायर थर्ड अंपायर को रैफर करता था और टीवी अंपायर बताता था कि ये नो बॉल थी, तो कैच की जांच नहीं होती थी।
6. **आईसीसी ने टी-20 मैचों के लिए नए पावरप्ले नियम बनाए -** आईसीसी ने टी-20 मैचों के लिए नए पावरप्ले नियमों में बदलाव किए हैं। नए नियम जुलाई से लागू होंगे और इनमें यह स्पष्ट किया गया है कि अगर बारिश या किसी अन्य वजह से मैच के ओवर कम किए गए हैं तो पावरप्ले के ओवर भी उसी आधार पर कम कर दिए जाएंगे।

नए नियमों के अनुसार...

5 ओवर के मैच में 1.3 ओवर पावरप्ले होंगे। 6 ओवर के मैच में 1.5 ओवर पावरप्ले होंगे। 7 ओवर के मैच में 2.1 ओवर पावरप्ले होंगे। 8 ओवर के मैच में 2.2 ओवर पावरप्ले होंगे। 9 ओवर के मैच में 2.4 ओवर पावरप्ले होंगे। 10 ओवर के मैच में 3 ओवर पावरप्ले होंगे। 11 ओवर के मैच में 3.2 ओवर पावरप्ले होंगे। 12 ओवर के मैच में 3.4 ओवर पावरप्ले होंगे। 13 ओवर के मैच में 3.5 ओवर पावरप्ले होंगे। 14 ओवर के मैच में 4.1 ओवर पावरप्ले होंगे। 15 ओवर के मैच में 4.3 ओवर पावरप्ले होंगे। 16 ओवर के मैच में 4.5 ओवर पावरप्ले होंगे। पावरप्ले के दौरान केवल दो फील्डर 30 गज के दायरे से बाहर रह सकते हैं। ये नियम छोटे टी-20 मैचों को और स्पष्ट और निष्पक्ष बनाने के लिए लागू किए गए हैं।

कंगारुओं को लेकर रोहित शर्मा का बड़ा बयान

टी-20 वर्ल्डकप में ऑस्ट्रेलिया से लिया बदला , भारत को मिली 24 रन से जीत

नई दिल्ली, एजेंसी

रोहित शर्मा ने टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में ऑस्ट्रेलिया को हराने को लेकर बात की है। उन्होंने कहा सुपर-8 मैच में ऑस्ट्रेलिया को हारकर पूरी टीम ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल का बदला लिया था। रोहित शर्मा ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 नवंबर की फाइनल हार का गुस्सा उनके और पूरी टीम के मन में था। इसके बाद टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हराया था। इस मैच में रोहित ने 92 रनों की पारी खेली थी। जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया टूनामेंट से बाहर हो गया था। रोहित रोहित ने कहा 2023 वर्ल्ड कप में हमने शानदार खेल दिखाया लेकिन फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने हमें हरा दिया। 19 नवंबर की चिढ़न हमेशा से मेरे और टीम के मन में थी। उन्होंने कहा, गुस्सा तो हमेशा था। ऑस्ट्रेलिया ने हमारा 19 नवंबर खराब कर दिया था। टी-20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच पर रोहित ने बताया, ड्रेसिंग रूम में हम इस बारे में बात करते थे। मन में ये ख्याल तो रहता है, लेकिन जब आप बल्लेबाजी करने उतरते हैं, तो इन सबके बारे में ज्यादा नहीं सोचते। हमने पहले पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 205/4 का स्कोर बनाया। इसके बाद गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 181/7 के स्कोर पर रोक दिया।

मैच से पहले हमें बताया गया था कि खतरा है

रोहित ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में हुए भारत-पाक मुकाबले को याद करते हुए कहा कि मैच से पहले का माहौल किसी त्योहार जैसा था, होटल से लेकर स्टेडियम तक। इस मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 6 रन से हरा दिया था। यह एक लो-स्कोरिंग रोमांचक मैच था, जिसमें जसप्रीत बुमराह ने 3 विकेट लेकर सिर्फ 14 रन दिए और प्लेयर ऑफ द मैच बने। रोहित ने आगे कहा, मैच से पहले हमें बताया गया था कि खतरा है, कुछ गड़बड़ चल रही थी। इसलिए मैच से दो दिन पहले तक हमें होटल से बाहर निकलने की इजाजत नहीं थी। माहौल तभी से बनना शुरू हो गया था। हम बाहर नहीं जा सकते थे, तो खाना भी होटल में ही मंगवाया जा रहा था। होटल इतना भरा हुआ था कि चलना भी मुश्किल था। फैंस, मीडिया, हर कोई वहां मौजूद था। तभी महसूस हुआ कि यह सिर्फ एक और मैच नहीं है, बल्कि कुछ खास होने वाला है।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

पिता की किस कॉन्ट्रोवर्सी पर बोले आदित्य *मैं करता तो इतनी बड़ी बात नहीं होती*

90 के दशक में बॉलीवुड को कई सुपरहिट गाने देने वाले सिंगर उदित नारायण कुछ वक्त पहले एक अजीब कारण से सुर्खियों में बने हुए थे। उनका एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने लाइव शो के दौरान अपनी फीमेल फैन को स्द्बश्च चद्बह्यह्य दिया। इसके बाद सिंगर को खूब ट्रोल किया गया। हालांकि उदित नारायण का कहना था कि उनका ये वीडियो काफी पुराना था। अब सिंगर के बेटे आदित्य नारायण ने खुलकर अपने पिता के साथ हुई कॉन्ट्रोवर्सी पर बात की है। आदित्य नारायण का कहना है कि उनके पिता उदित नारायण के साथ जब ये कॉन्ट्रोवर्सी हुई, तब उन्हें लोगों का गुस्सा नहीं समझ आया। वो एक ऐसे वक्त से आते हैं जब अगर एक फैन आपको प्यार देता था, तो अगर आप उसके जवाब में उसे प्यार देते हैं वो गलत नहीं माना जाता है। आदित्य का ये भी कहना है कि उदित नारायण को सहमति क्या होती है, इसका कोई आइडिया नहीं था। लेकिन अब वो जान चुके हैं। उन्होंने स्क्रीन संग बातचीत में कहा, इंटरनेट एक अजीब चीज है। सोशल मीडिया एक असली जगह नहीं है और जो भी आप यहां देखते हैं वो पूरा सच नहीं होता है। पब्लिक फिगर होने के नाते, हमारे हाथ में दुनिया में क्या चल रहा है इसपर कोई कंट्रोल नहीं है। पहले तो पिताजी को समझ नहीं आया कि लोगों की नाराजगी किस बात की है। वो एक अलग समय और सोच से आते हैं।

बॉर्डर 2 से दिलजीत दोसांझ हुए बाहर!, हानिया संग काम करने की मिली सजा?

दिलजीत दोसांझ अपनी फिल्म सरदारजी 3 को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म का ट्रेलर कुछ वक्त पहले ही रिलीज हुआ था। इसमें पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर नजर आने वाली हैं। फिल्म में हानिया की मौजूदगी से भारतीय जनता और फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज नाराज हो गई। दिलजीत डोसांझ को ट्रोल करने के अलावा उनकी फिल्म, गानों और अन्य प्रोजेक्ट्स को बैन करने की मांग उठने लगी। इस बीच FWICE ने फिल्म बॉर्डर 2 से दिलजीत को हटाने की मांग भी की थी।

सूत्रों की मानें तो डायरेक्टर निधि दत्ता की फिल्म बॉर्डर 2 से दिलजीत दोसांझ को हटा दिया गया है। बताया जा रहा है कि फिल्म के मेकर्स और एक्टर्स ने मिलकर ये फैसला किया है। सभी का मानना है कि दिलजीत को इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं होना चाहिए। हालांकि फिल्ममेकर्स का अभी इस बात को कन्फर्म करना बाकी है। FWICE ने बॉर्डर 2 के मेकर्स से डिमांड की थी कि वो दिलजीत दोसांझ के साथ काम न करें। इस फिल्म में दिलजीत को वरुण धवन, सनी देओल और अहान शेट्टी संग देखा जाने वाला था। सूत्रों के मुताबिक, बॉर्डर 2 भारतीय आर्मी पर फोकस करती है। इसमें दिलजीत का होना सही नहीं है। साथ ही फिल्म के मेकर्स नहीं चाहते थे कि दिलजीत दोसांझ से जुड़ा विवाद उनकी फिल्म या प्रमोशन पर असर डाले। दिलजीत के सीन्स को जल्द री-शूट किया जाएगा।

ये एक्टर ले सकता है दिलजीत की जगह

FWICE के प्रेसिडेंट बीएन तिवारी का कहना है कि बॉर्डर 2 के मेकर्स ने अभी तक दिलजीत दोसांझ को निकालने की बात की पुष्टि नहीं की है। हालांकि उन्हें निकालना ही सही फैसला है। उन्होंने कहा, अगर टीम ने दिलजीत के साथ शूटिंग करना जारी रहा तो ये बताएगा कि वो एक्टर को सपोर्ट कर रहे हैं। खबर है कि पंजाबी एक्टर एमी विर्क को बॉर्डर 2 में दिलजीत दोसांझ की जगह रखने का सोचा जा रहा है। देखते हैं आगे क्या होगा। बता दें कि दिलजीत दोसांझ के हानिया आमिर संग बनी अपनी फिल्म को रिलीज और प्रमोट करने से भारतीय जनता नाराज है। ये फिल्म भारत में रिलीज नहीं होगी, बल्कि इसे विदेश में रिलीज करने का फैसला किया गया है।

मेट्रो बाजार

सीतारमण ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से कर्ज वृद्धि और मुनाफा बढ़ाने को कहा

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) से कहा कि वे अर्थव्यवस्था के उत्पादक क्षेत्रों को अधिक देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की आधा प्रतिशत की बड़ी ब्याज कटौती का लाभ उठाएं। सूत्रों ने बताया कि पीएसबी के वित्तीय प्रदर्शन की समीक्षा के लिए एक बैठक के दौरान सीतारमण ने उनके प्रमुखों से वित्त वर्ष 2025-26 में मुनाफे की रफ्तार बनाए रखने को भी कहा। वित्त वर्ष 2024-25 में 12 पीएसबी का कुल मुनाफा बढक़र रिकॉर्ड 1.78 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो सालाना आधार पर 26 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान लाभ में सालाना आधार पर वृद्धि लगभग 37,100 करोड़ रुपये थी।

सूत्रों के अनुसार वित्त मंत्री को उम्मीद है कि आरबीआई के आधा प्रतिशत की ब्याज दर कटौती के बाद पीएसबी की वृद्धि में सुधार होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि वित्तीय समावेश को बढ़ाने के लिए बैंकों को सरकार की योजनाओं में अधिक से अधिक ग्राहकों को शामिल करना चाहिए। बैठक के दौरान किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम मुद्रा और तीन सामाजिक सुरक्षा योजनाओं - प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) सहित विभिन्न खंडों और सरकारी योजनाओं की प्रगति की व्यापक समीक्षा की गई।

भारत ने पंजाब से दुबई, दोहा को लीची का निर्यात किया

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय की इकाई कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने शुक्रवार को बताया कि भारत ने इस महीने पहली बार पंजाब से दोहा और दुबई को 1.5 टन लीची का निर्यात किया है। बयान के अनुसार, भारत के बागवानी निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एपीडा ने 23 जून को पंजाब के पठानकोट से दोहा के लिए एक टन गुलाब-सुगंधित लीची की पहली खेप और दुबई के लिए इसी फल की 0.5 टन की खेप को रवाना करने में मदद की। इस पहल को प्राधिकरण के समर्थन से, पंजाब के बागवानी विभाग और लुल्लू ग्रुप के सहयोग से अंजाम दिया गया। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान पंजाब का लीची उत्पादन 71,490 टन रहा, जो भारत के कुल लीची उत्पादन का 12.39 प्रतिशत हिस्सा है। इसी अवधि में भारत से कुल 639.53 टन लीची का निर्यात किया गया।

सरकार, फलों और सब्जियों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठा रही है। 2024-25 में ये निर्यात सालाना आधार 5.67 प्रतिशत बढक़र 3.87 अरब डॉलर हो गया। भारत के फलों के निर्यात में आम, केले, अंगूर और संतरे का दबदबा है। इसमें कहा गया '' चेरी, जामुन और लीची अब देश से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रवेश करने वाली स्वदेशी वस्तुओं की बढ़ती सूची में शामिल हो गई हैं।''

कार की टक्कर से स्कूटर सवार मां-बेटी घायल

भोपाल। कोलार इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटर सवार मां-बेटी को टक्कर मारकर घायल कर दिया। पुलिस के मुताबिक राजहर्ष कालोनी में रहने वाली ज्योति गुर्जर गृहणी हैं। बुधवार की सुबह वह अपनी बेटी को स्कूटर से उससे स्कूल छोडने़ जा रही थी। बैरागढ़ चीचली के पास पहुंचने पर पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार के चालक ने उनकी स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे मां-बेटी स्कूटर समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गई। गंभीर रूप से घायल बेटी को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुक्रवार को फरियादी ने थाने जाकर टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ केस दर्ज करवाया।

डंपर की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त

भोपाल। अल्पना टाकीज के पास एक डंपर ने कार को टक्कर मार दी, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार ईदगाह हिल्स में रहने वाले हरनीत सिंह व्यवसायी हैं। बीती रात करीब नौ बजे वह जहांगीराबाद से हमीदिया रोड होते हुए अपने घर लौट रहे थे। अल्पना टाकीज तिराहे के पास एक तेज रफ्तार डंपर के चालक ने ओवरटेक करते हुए उनकी वैगनआर कार में पीछे से टक्कर मार दी, जिससे कार का पिछला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने डंपर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

बाइक सवार पिता-पुत्री को कार ने मारी टक्कर

भोपाल। कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित सेज कॉलेज के सामने तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार पिता-पुत्री को टक्कर मार दी। हादसे में पिता को मामूली चोट आई है, जबकि पीछे बैठी पुत्री गंभीर रूप से घायल हुई है। उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। टक्कर मारने के बाद कार का ड्राइवर कार लेकर मौके से भाग निकला। पुलिस ने अज्ञात कार चालक पर प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। हादसे में बाइक पर पीछे बैठी बेटी को गंभीर चोट पुलिस के अनुसार 52 साल के देवेंद्र मेश्राम, इन्द्रा नगर मंडीदीप रायसेन में रहते हैं और प्राइवेट काम करते हैं। गुरुवार को उनकी 22 साल की बेटी मोना मेश्राम की परीक्षा थी। सेंटर सेज यूनिवर्सिटी में होने के कारण वह मंडीदीप से बाइक से बेटे को पेपर दिलाने के लिए निकले थे। पिता-पुत्री सेज यूनिवर्सिटी के सामने दोपहर करीब साढ़े 12 बजे पहुंचे। मुख्य सड़क पर ब्रेकर होने के कारण देवेंद्र ने बाइक की रफ्तार कम की, तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। बाइक में पीछे से टक्कर लगने के बाद वे और बेटी सड़क पर गिर गए, जबकि कार वाला तेजी से कार चलाकर मौके से भाग निकला। इस हादसे में देवेंद्र को मामूली चोट थी, लेकिन बेटी मोना मेश्राम को सिर, पैर, कमर में व घुटने में चोट आई है। उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

दरवाजे के पास आटो खड़ा करने से मना करने पर हुआ था विवाद

घर के सामने आटो खड़ा करने पर निकाली हवा, मारपीट, काउंटर प्रकरण दर्ज किया

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित अहाता मनकशा इलाके में घर के सामने गेट पर आटो खड़ा करने को लेकर हुए विवाद में दो युवक आपस में लड़ पड़े। इस दौरान दोनों ने एक दूसरे से जमकर मारपीट की। पुलिस ने दोनों की शिकायत पर काउंटर प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार मोहम्मद रिजवान (21) अहाता मनकशा, ऐशबाग में रहता है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि उसके पड़ोस में आसिम रहता है और वह अपना बैटरी आटो अक्सर उनके घर के सामने खड़ा कर देता है। घर के साामने गेट पर आटो खड़ा करने से उन्हें अंदर आने जाने में परेशानी होती है। उससे पूर्व में कह दिया था कि अगर तूम नहीं मानोंगे और आटो गेट के सामने खड़ा करोंगे तो मैं आटो की हवा निकाल दूंगा। गुरुवार शाम साढ़े 4 बजे मोहम्मद रिजवान घर के बाहर खड़ा था, तभी आसिम अपनी सवारी आटो लेकर आया और रिजवान के घर के सामने फिर खड़ा कर दिया। गुस्से में रिजवान ने ने आसिम के आटो के टायर की हवा निकाल दी । इसी बात पर से आसिम ने गालीगलौज शुरू कर दी। रिजवान ने गालियां देने से मना किया तो आसिम नें अपने आटो में से टामी निकालकर रिजवान के सिर पर मार दी। जिससे सिर में से खून आने लगा। पुलिस ने रिजवान की शिकायत पर आसिम के खिलाफ मारपीट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है।

इसी प्रकार आसिम ने शिकायत करते हुए बताया कि वह सवारी आटो चलाता है। उसने अपना सवारी बैट्री आटो अपने घर के पास खड़ा किया था। इस दौरान उसकी हवा रिजवान ने निकाल दी। उसने रिजवान से कहा कि तूने मेरे बेट्री आटो की हवा क्यों निकाली तो वह गालीगलौज करने लगा। गाली देने से मना किया तो रिजवान ने हाथ मुक्कों से मारपीट कर दी।

मार्निंग वॉक पर निकले बुजुर्ग के साथ मारपीट

भोपाल। जहांगीराबाद इलाके में मार्निंग वॉक पर निकले एक बुजुर्ग के साथ स्कूटर सवार दो अज्ञात लड़कों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और भाग निकले। आरोपियों की फिलहाल पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। जानकारी के अनुसार मुख्तार अहमद (62) जिंसी जहांगीराबाद में रहते हैं और किसानी करते हैं। गुरुवार सुबह वह अपनी पत्नी के साथ मार्निक वॉक पर निकले थे। सुबह करीब छह बजे दंपति पुलिस मुख्यालय के गेट क्रमांक तीन के पास सड़क किनारे जा रहे थे, तभी पीछे से आए स्कूटर सवार दो लड़कों ने उनके सिर पर थप्पड़ा मारा और गाली देते हुए भाग निकले। मुख्तार उन दोनों लड़कों को पहचानते नहीं हैं और उन्होंने उनकी गाड़ी का नंबर भी नहीं देखा। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मार्ग में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

पति को गर्लफ्रेंड के साथ देख हुआ विवाद, सरेराह पत्नी की पिटाई

पत्नी ने रंगेहाथ पकड़ा तो मांगने लगा तलाक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पति को गर्लफ्रेंड के साथ देख पत्नी ने विरोध किया तो पति ने सरेराह गर्लफ्रेंड के सामने उसकी पिटाई लगा दी। इतना ही नहीं पति ने सरेराह पत्नी से कहा कि मुझे तलाक चाहिए। गुरुवार रात हुए इस विवाद की शिकायत महिला ने जहांगीराबाद थाने पहुंचकर की थी। पुलिस ने पत्नी की शिकायत पर आरोपी पति के खिलाफ मारपीट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार फरहा खान पति इरफान खान (35) कल्लाशाह का अहाता चिकलोद रोड में रहती हैं।

उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वर्ष 2009 में उनकी शादी इरफान खान से मुस्लिम रीति रिवाज के अनुसार हुई। रिजवान और फरहा के 02 बेटे और एक बेटी है। करीब चार महीने पहले फरहा को पता चला कि इमरान की किसी महिला से प्रेम प्रसंग शुरू हो गया है।

फरहा ने इमरान से पूछा तो वह कहने लगा कि वह महिला मेरी दोस्त है। उक्त महिला को लेकर दंपती में आए दिन विवाद होता था। गुरुवार रात करीब 10 इमरान अपने जहांगीराबाद स्थित निवास पर पहुंचा। घर पर खाना खाया और दंपती में फिर उसी महिला को लेकर विवाद होने लगा।

विवाद बढ़ने पर इमरान घर से कार लेकर चला गया। वह पति के पीछे बच्चे को लेकर पहुंची।

पीछा करते हुए वह एमजीएम स्कूल के पास अशोका गार्डन तक पहुंच गई। इस दौरान पति इमरान अशोकगार्डन एमजीएम स्कूल के पास प्रगति नगर में एक महिला के साथ नजर आया। फरहा ने इमरान का विरोध किया और कार की चाबी निकाल ली। इस पर वह भड़क गया और मारपीट करते हुए तलाक देने की धमकी देने लगा।

एआईजी की कार को टक्कर मारने वाला वाहन बेसुराग

बंगले के सामने मारी टक्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित चार इमली में बंगले के बाहर खड़े एआईजी के शासकीय वाहन को टक्कर मारने वाले वाहन का सुराग नहीं लगा है। पुलिस ने उनके शासकीय ड्राइवर की शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस टक्कर मारने वाले आरोपी चालक और वाहन की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार आरक्षक दिलीप धुर्वे (32) बरखेड़ी में रहते हैं और विशेष शाखा में आरक्षक हैं। उन्होंने बताया कि वह एआईजी विजय वाधवानी का शासकीय वाहन चलाते हैं। 25 जून की शाम करीब 7 बजे वह उन्होंने एआईजी विजय को आफिस से उनके बंगले डीएन 1/3 चार इमली में छोड़ा और बंगले के बाहर सड़क किनारे

शासकीय वाहन खड़ा कर दिया। इसके बाद अपने घर चला गया था। गुरुवार सुबह एआईजी विजय ने उन्हें कॉल कर बताया कि रात करीब 2 से 3 बजे के बीच शासकीय वाहन को किसी अज्ञात चार पहिया वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर कार में सामने से लगी थी, जिससे उसका बोनट टूट गया। टक्कर लगने से वाहन पीछे पेड़ से टकराया था, जिससे पिछला बंफर भी क्षतिग्रस्त हुआ है। घटना की शिकायत आरक्षक दिलीप ने हबीबगंज थाने पहुंचकर दर्ज कराई है।

मेट्रो एंकर घर में गमछे से बनाया फंदा

फैक्टरी से खाना खाने का कहकर आए युवक ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित गायत्री नगर में शुक्रवार दोपहर एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह फैक्टरी से घर खाना खाने के लिए पहुंचा था।

शाम को मां काम से लौटी तो उसने बेटे को फांसी के फंदे पर लटका देखा था। सूचना पर पहुंची पुलिस को मृतक के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है।

पुलिस के अनुसा अंकुश पटेल पिता हेतराम पटेल (21) गायत्री नगर, झुग्गी में रहता?था और औद्योगिक क्षेत्र स्थित फैक्टरी में काम करता था। उसकी मां भी

फैक्टरी में काम करती है। उसके परिवार में मां के अलावा भाई और भाभी है। भाई और भाभी गत 26 जून को खाटूश्याम, राजस्थान दर्शन के लिए गए है। कल शुक्रवार को मां और अंकुश फैक्टरी चले गए थे। दोपहर करीब एक बजे अंकुश फैक्टरी से खाना खाने के लिए घर पहुंचा और कमरे में फांसी लगा ली। शाम तक वह कंपनी नहीं लौटा तो उसे देखने मां घर पहुंची थी। इस दौरान अंकुश की लाश गमछे के सहारे फांसी के फंदे पर लटकी देखी।

आसपास रहने वाले रिश्तेदारों की मदद से मां ने अंकुश की लाश फंदे से उतार ली थी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एफएसएल की मदद से कमरे का निरीक्षण करते हुए अंकुश का शव पीएम के लिए मर्चुरी भेज दिया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022